R.N.I. : UPHIN/2012/52437
Website : www.mantrabharat.com
संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 15
अंक : 01
पृष्ठ : 8
मूल्य : 1.00
मंगलवार, 09 सितम्बर, 2025

जुनून है सच लिखने का

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

डाक पंजीयन संख्या : एल-2/9/रजि0/ए0डी0/119/15-17

प्रयागराज, लखनऊ, ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं प्रतापगढ़, कौशाम्बी, भदोही, मिर्जापुर, वाराणसी, आजमगढ़ व गोरखपुर से प्रसारित

3 उच्च न्यायालय में दो और अधिवक्ताओं ने ली ... 5 जिपं अध्यक्ष, विधायक व डीएम, पुलिस अधीक्षक ... 7 भारत की अनुपर्णा रॉय ने रचा इतिहास...

खेती करने वाले लोग 'पीडीए' के हैं इसलिए सरकार 'डीएपी' नहीं दे रही : अखिलेश यादव

लखनऊ **(एजेंसी)**। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर किसानों को खाद नहीं देने का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार खेती को बर्बाद कर रही है। यादव ने दावा किया कि खेती करने वाले गांव, गरीब पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) के लोग हैं, इसीलिए सरकार डीएपी (डाई अमोनियम फॉस्फेट) नहीं दे रही है।

सपा मुख्यालय की ओर से जारी एक बयान के अनुसार उन्होंने कहा, 'यूरिया नहीं हैं, कीटनाशक महंगा है, किसान खाद के लिए भटक रहा है और भाजपा सरकार में किसानों का हर स्तर पर शोषण हो रहा है। इस सरकार के रहते किसानों की आय दोगुनी नहीं होगी।' उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने दावा किया कि केंद्र सरकार ने कहा था कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) लागू होने से कारोबार आसान होगा लेकिन जीएसटी दुनिया का इकलौता ऐसा कानून है जिसमें सबसे ज्यादा संशोधन हुए हैं। जीएसटी में तमाम संशोधनों के बाद फिर बदलाव करना पड़ा।

सपा प्रमुख ने दावा किया कि जीएसटी की दरें कम होने से भी महंगाई कम नहीं होगी, क्योंकि जिनको मुनाफाखोरी की आदत पड़ गयी है वे कीमतें कम नहीं करेंगे। यादव ने कहा कि भाजपा के नेता अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ पर नहीं बोल रहे हैं। ऐसा लग रहा है कि भाजपा नेताओं के मुंह पर भी अमेरिका का टैरिफ लग गया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका के टैरिफ लगाने से भदोही का कालीन, मुरादाबाद का पीतल, मेरठ, सहारनपुर और अन्य जगहों से जो सामान निर्यात होता था उसका नुकसान होना शुरू हो गया है। इससे कारीगर बेरोजगार होंगे, अर्थव्यवस्था पर असर पड़ेगा।

मुख्यमंत्री योगी से मिला एबीवीपी का प्रतिनिधिमंडल, सीएम ने दिया मांगों को पूरा करने का भरोसा

लखनऊ **(एजेंसी)**। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के एक प्रतिनिधिमंडल ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर शैक्षणिक अराजकता का समाधान करते हुए शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार के विषयों पर चर्चा की। योगी आदित्यनाथ के साथ मुलाकात के बाद एबीवीपी के केंद्रीय मीडिया टोली के सदस्य अभिनव मिश्र की ओर से जारी बयान में यह जानकारी दी गई।

बयान में कहा गया कि मुख्यमंत्री ने सभी विषयों पर वार्ता करते हुए मांगों को पूर्ण करने का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री से मिलने के दौरान राष्ट्रीय मंत्री अंकित शुक्ल, पश्चिमी उत्तर प्रदेश के क्षेत्रीय संगठन मंत्री मनोज नीखरा, पूर्वी उत्तर प्रदेश के क्षेत्रीय संगठन मंत्री घनश्याम शाही व राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य सृष्टि सिंह की उपस्थिति रहीं। यह बैठक बाराबंकी के रामस्वरूप मेमोरियल विश्वविद्यालय में अभाविप सदस्यों से जुड़े हालिया विवाद के बाद हो रही है।

पुलिस ने विधि पाठ्यक्रम में कथित अनियमितताओं का विरोध कर रहे अभाविप सदस्यों के साथ धक्का-मुक्की की और बल प्रयोग किया। छात्रों ने विश्वविद्यालय पर आरोप लगाया कि उसने उन्हें ऐसे कार्यक्रम में दाखिला देकर उनके भविष्य को खतरे में डाला है, जिसे बार काउंसिल ऑफ इंडिया से मान्यता नहीं मिली है। इसके बाद, चार पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया और विश्वविद्यालय के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई।

पंजाब बाढ़ : दिल्ली की मुख्यमंत्री ने राहत सामग्री ले जा रहे ट्रकों को हरी झंडी दिखाई

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बाढ़ प्रभावित पंजाब के लिए राहत सामग्री लेकर जा रहे ट्रकों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह राहत सामग्री जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाने के उद्देश्य से दिल्ली सरकार द्वारा भेजी गई है। साथ ही पंजाब मुख्यमंत्री राहत कोष में दिल्ली सरकार द्वारा 5 करोड़ रुपये की सहयोग राशि भी प्रदान की गई। इस मौके पर मुख्यमंत्री के साथ दिल्ली भाजपा अध्यक्ष और कैबिनेट मंत्री वीरेंद्र सचदेवा भी उपस्थित रहे। दोनों नेताओं ने ट्रकों को रवाना करते हुए कहा कि यह मानवीय सहायता दिल्ली की जनता की ओर से बाढ़ पीड़ितों के लिए एक सहयोग है। सीएम रेखा गुप्ता ने ट्रकों में दवाइयां, मच्छरदानी, तह होने वाली खाटें, खाद्य सामग्री, चादरें और अन्य आवश्यक वस्तुएं भेजी गई हैं। यह सभी सामग्री विशेष रूप से बाढ़ प्रभावित इलाकों में लोगों की बुनियादी जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि उन्होंने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान से फोन पर बात की है और दिल्ली की ओर से हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा हम वसुधैव कुटुम्बकम के सिद्धांत पर चलते हैं और संकट की इस घड़ी में पंजाब के लोगों के साथ खड़े हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि दिल्ली सरकार भविष्य में भी ज़रूरत पड़ने पर हर प्रकार की सहायता देने के लिए तैयार है।

नेपाल सोशल मीडिया प्रतिबंध

युवाओं और पुलिस के बीच झड़प में पांच की मौत, 42 लोग घायल

काठमांडू **(एजेंसी)**। नेपाल सरकार द्वारा सोशल मीडिया मंचों पर प्रतिबंध लगाए जाने के विरोध में सोमवार को युवाओं के नेतृत्व में यहां हिंसक प्रदर्शन हुए, जिसमें पांच लोगों की मौत हो गई और 42 लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। हालात को नियंत्रित करने के लिए अधिकारियों को सेना को तैनात करना पड़ा।

काठमांडू में संसद भवन के सामने 'जेन ज़ी' के बैनर तले स्कूली छात्रों समेत हज़ारों युवाओं की दंगा-रोधी पुलिस के साथ झड़प हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कुछ आंदोलनकारी संसद परिसर में घुस गए, इसके बाद पुलिस को भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठियां चलानी पड़ी, आंसू गैस के गोले और रबर की गोलियों का सहारा लेना पड़ा।

नेपाल पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि सुरक्षाकर्मियों समेत 42 लोग घायल हुए हैं और उनका काठमांडू के सिविल अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। अस्पताल के सूत्रों ने बताया कि हिंसा में पांच लोग मारे गए। हालांकि पुलिस ने मृतकों की संख्या के बारे में कोई पुष्टि नहीं की है।

सैन्य अधिकारियों ने बताया कि स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सेना को तैनात किया गया है। काठमांडू जिला प्रशासन ने संसद भवन के आसपास के क्षेत्रों में अशांति को रोकने के लिए अपराह्न 12:30 बजे से रात 10:00 बजे तक निषेधाज्ञा लागू की।

मुख्य जिला अधिकारी छवि लाल रिजाल ने एक नोटिस में कहा, ''प्रतिबंधित क्षेत्र में लोगों के आवागमन, प्रदर्शन, बैठक, सभा या धरना-प्रदर्शन की अनुमति नहीं होगी।'' स्थानीय प्रशासन ने बाद में ये प्रतिबंधात्मक आदेश राष्ट्रपति भवन, उपराष्ट्रपति आवास और प्रधानमंत्री कार्यालय के आसपास के विभिन्न क्षेत्रों में भी लागू कर दिए।

नेपाल सरकार ने अनिवार्य पंजीकरण प्रक्रिया का पालन नहीं करने पर चार सितंबर को फेसबुक, व्हाट्सऐप और एक्स सहित 26 सोशल मीडिया मंचों पर प्रतिबंध लगा दिया था।

सरकार ने अपना रुख स्पष्ट किया है कि सोशल मीडिया मंचों पर प्रतिबंध उन्हें विनियमित करने के लिए लगाया गया है, लेकिन आम जनता में धारणा यह है कि इससे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला होगा और सेंसरशिप की नौबत आ सकती है।

सपा शासनकाल में हुई कई सरकारी भर्तियों को जांच के लिए सीबीआई को सौंपा : आदित्यनाथ

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी (सपा) की पिछली सरकार के शासनकाल के दौरान हुई सरकारी भर्तियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि गड़बड़ियों की वजह से उनकी सरकार ने बहुत सारी भर्तियों की जांच केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दी थी।

मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा चयनित 1112 कनिष्ठ सहायक और 22 एक्सरे तकनीशियन के नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए राज्य की पूर्ववर्ती सपा सरकार पर भर्तियों में धांधली किये जाने का आरोप लगाया और कहा, किस प्रकार की भर्तियां होती थीं। हमें बहुत सारी भर्तियों की जांच उस समय सीबीआई को देनी पड़ी थी।

उन्होंने स्वास्थ्य विभाग में वर्ष 2016 से एक व्यक्ति के नियुक्ति पत्र पर कई जिलों में छह अलग-अलग लोगों द्वारा नौकरी किये जाने के एक प्रकरण का उल्लेख करते हुए कहा, आपने देखा होगा कि एक व्यक्ति आठ-आठ जगह पर नाम लिखाकर पैसा लिये जा रहा था। वो तो जब जांच में सामने आया तब पता लगा।

आदित्यनाथ ने किसी का नाम लिये बगैर कहा, ये कौन लोग हैं...ये वो ही लोग हैं जिनसे एक परिवार के लोग पैसा लेकर ये भर्ती करते थे और उत्तर प्रदेश की जनता को इस प्रकार से लूटते थे। वह भर्ती 2016 की है। अभी वह जांच चल रही है। वह जांच समय पर हो जाएगी तो ऐसे महाभारत के रिश्ते सामने आयेंगे। अब वे बाकी का जीवन जेल में ही बिताने पर मजबूर होंगे। उन्होंने कहा, ऐसा इसलिये क्योंकि उनके कारनामे ही ऐसे थे जिन्होंने उत्तर प्रदेश को विकास के पथ पर ले जाने के बजाय उससे लगातार दूर ही रखा।

वैश्विक व्यापार चुनौतियों को अवसर में बदलने की जरूरत : राष्ट्रपति मुर्मू

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को कहा कि भारत को वैश्विक व्यापार चुनौतियों को नए अवसरों में बदलने के लिए अपनी असाधारण क्षमताओं का लाभ उठाना चाहिए। मुर्मू ने इंजीनियरिंग निर्यात संवर्धन परिषद (ईईपीसी) के प्लैटिनम जयंती समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले सात दशक में भारत के इंजीनियरिंग निर्यात गंतव्यों में उल्लेखनीय बदलाव आया है।

राष्ट्रपति ने कहा कि ईईपीसी को परिवर्तन की इस प्रक्रिया को जारी रखना चाहिए और 'राष्ट्र प्रथम' की भावना के साथ भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए काम करते रहना चाहिए।

उन्होंने कहा, ''हमारे देश में उपलब्ध असाधारण क्षमताओं का उपयोग करके वैश्विक व्यापार की चुनौतियों को अवसरों में बदलने की आवश्यकता है।'' राष्ट्रपति ने कहा कि कम लागत पर उच्च गुणवत्ता वाली इंजीनियरिंग सेवाएं और उत्पाद भारत की एक बड़ी ताकत हैं। पिछले 10 साल में, भारत का इंजीनियरिंग निर्यात 70 अरब डॉलर से बढ़कर 115 अरब डॉलर से अधिक हो गया है।

मुर्मू ने कहा कि पिछले दशक में अंतरराष्ट्रीय व्यापार क्षेत्र में कई चुनौतियां रही हैं, इसको देखते हुए निर्यात में यह वृद्धि और भी प्रभावी लगती है। राष्ट्रपति ने कहा कि ईईपीसी ने अंतरराष्ट्रीय बाजार और भारतीय उत्पादकों के बीच एक सेतु का काम किया है। उन्होंने ईईपीसी से वैश्विक मूल्य श्रृंखला में भारत की भूमिका का निरंतर विस्तार करने का आग्रह किया।

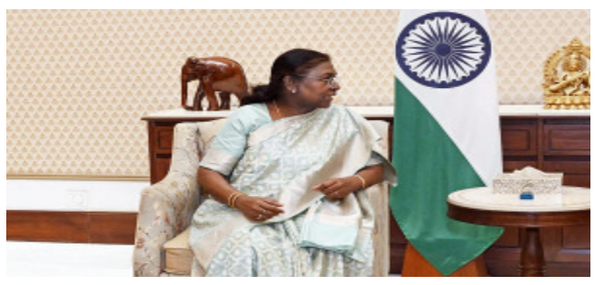

उन्होंने कहा कि विश्व व्यापार और अंतरराष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था में हो रहे बदलावों के कारण, ईईपीसी की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो गई है। आर्थिक क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पक्ष होने के नाते, ईईपीसी को और भी दृढ़ संकल्प के साथ कार्य करना चाहिए।

मुर्मू ने कहा, ''दुनिया की बड़ी-बड़ी कंपनियों के वैश्विक क्षमता केंद्र भारत में हैं। ईईपीसी से जुड़े पक्षों को उचित प्रोत्साहन और एक परिवेश उपलब्ध कराके भारत को एक वैश्विक नवोन्मेष केंद्र बनाने के विचार के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

नवोन्मेषी अर्थव्यवस्थाएं दुनिया में सबसे अधिक प्रतिस्पर्धी और समृद्ध हैं। उन्होंने ईईपीसी के सभी पक्षों से देश में उपलब्ध प्रतिभा और ऊर्जा के लिए एक अनुकूल परिवेश प्रदान कर भारत को एक अग्रणी नवोन्मेषी अर्थव्यवस्था बनाने का संकल्प लेकर आगे बढ़ने का आग्रह किया।

किस तरह के जज हैं आप? लालू से मुलाकात पर रविशंकर प्रसाद का सुदर्शन रेड्डी पर हमला

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने सोमवार को इंडिया ब्लॉक के उम्मीदवार और सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश बी. सुदर्शन रेड्डी द्वारा चारा घोटाले के दोषी लालू प्रसाद से मुलाकात की कड़ी निंदा की। नई दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए, भाजपा सांसद ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश सुदर्शन रेड्डी उपराष्ट्रपति पद के लिए विपक्ष के उम्मीदवार हैं। हम आज भी न्यायाधीशों का बहुत सम्मान करते हैं, चाहे वे वर्तमान में कार्यरत हों या सेवानिवृत्त। लेकिन जब कोई न्यायाधीश चुनाव में खड़ा होकर कुछ बड़ी बातें कहता है, तो सवाल ज़रूर उठेंगे।

रेड्डी के एक अखबार के लेख की ओर इशारा करते हुए, जिसमें उन्होंने कहा था, 'देश की आत्मा बचाने के लिए मुझे वोट दें: विपक्षी उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार', प्रसाद ने कहा कि रेड्डी ने इस लेख में देश को बचाने के लिए कई बड़ी बातें कही हैं। उन्होंने आगे कहा, 'उन्होंने लोकतंत्र के मंदिर और 'अंतरात्मा' की बात की। सुदर्शन रेड्डी ने बयान दिया है कि देश की आत्मा बचाने के लिए मुझे वोट दें।' लालू प्रसाद से मुलाकात के लिए रेड्डी पर निशाना साधते हुए उन्होंने पूछा, 'आप सुप्रीम कोर्ट के किस तरह के सेवानिवृत्त न्यायाधीश हैं कि आप किसी ऐसे व्यक्ति से मिल रहे हैं जो घोटाले का दोषी है? और लालू प्रसाद तो मतदाता भी नहीं हैं और न ही सांसद, फिर आप राष्ट्र की आत्मा की प्रशंसा करने की बात क्यों कर रहे हैं? यह पाखंड है! कृपया राष्ट्र की आत्मा की बात न करें।'

उन्होंने आगे कहा कि यह घोर पाखंड है और हम इसकी कड़ी निंदा करते हैं। यह निंदा के योग्य है। इससे पहले, भाजपा नेता अमित मालवीय ने भी लालू प्रसाद से मुलाकात के लिए रेड्डी की आलोचना की। उन्होंने इस मुलाकात को किसी उच्च संवैधानिक पद के आकांक्षी व्यक्ति द्वारा सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी पर एक चौंकाने वाला बयान बताया। इससे पहले आज, भाजपा नेता अमित मालवीय ने भी लालू प्रसाद से मुलाकात के लिए रेड्डी की आलोचना की। उन्होंने इस मुलाकात को एक उच्च संवैधानिक पद के आकांक्षी व्यक्ति द्वारा सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी पर एक चौंकाने वाला बयान बताया।

लूटकर भागने का युग खत्म, मेहुल चोकसी को जल्द लाया जा सकता है भारत, जेल व्यवस्था को लेकर बेल्जियम को दी गई जानकारी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कई बार यह कह चुके हैं कि 'जिसने भी देश को लूटा है, उसे लौटाना ही होगा।' यह केवल एक राजनीतिक नारा नहीं बल्कि भारत की नई कार्यशैली का प्रतीक बन चुका है। पीएनबी घोटाले का आरोपी मेहुल चोकसी का संभावित प्रत्यर्पण इसी दृष्टि से अहम है। देखा जाये तो देश की न्यायिक प्रक्रिया और कूटनीतिक सक्रियता से यह साफ हो गया है कि अब कोई भी आर्थिक अपराधी यह सोचकर विदेश भाग नहीं सकता कि वह हमेशा के लिए सुरक्षित हो जाएगा। पहले ऐसे मामलों में वर्षों की देरी और कानूनी पेचीदगियाँ अपराधियों के पक्ष में चली जाती थीं, लेकिन अब तस्वीर बदल रही है।

मोदी सरकार का जोर दो बिंदुओं पर है– अपराधियों को वापस लाना, चाहे इसके लिए अंतरराष्ट्रीय अदालतों का सामना क्यों न करना पड़े। साथ ही देश की हर पाई की वसूली, ताकि जनता का विश्वास बहाल रहे कि उनका धन सुरक्षित है और कोई भ्रष्टाचार से बच नहीं सकता। देखा जाये तो मेहुल चोकसी के प्रत्यर्पण से यह संदेश जाएगा कि भारत अपनी न्यायिक और कूटनीतिक ताकत का इस्तेमाल पूरी दृढ़ता से कर रहा है। यह केवल एक व्यक्ति को सज़ा दिलाने का मामला नहीं है, बल्कि यह विश्वास दिलाने का भी है कि 'न कोई कानून से ऊपर है और न कोई इतना शक्तिशाली कि न्याय से बच सके।' दरअसल, इस पूरे घटनाक्रम से प्रधानमंत्री मोदी का यह दावा और मजबूत होता है कि आर्थिक अपराधियों को अब विदेशी धरती पर भी पनाह नहीं मिलेगी। आने वाले समय में यह नीति न केवल अपराधियों के लिए चेतावनी बनेगी बल्कि भारत की वैश्विक साख भी और मजबूत करेगी।

हम आपको बता दें कि बेल्जियम में गिरफ्तारी के बाद भारत सरकार उसके प्रत्यर्पण के लिए लगातार प्रयासरत है। बताया जा रहा है कि गृह मंत्रालय ने हाल ही में बेल्जियम सरकार को लिखित आश्वासन दिया है कि भारत में मेहुल चोकसी को हिरासत में रखने की व्यवस्था अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप होगी। देखा जाये तो यह कदम केवल एक भगोड़े को वापस लाने का प्रयास नहीं, बल्कि भारत की न्यायिक साख और अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं की एक बड़ी परीक्षा है।

हम आपको बता दें कि विदेशी अदालतों में प्रत्यर्पण की सबसे बड़ी बाधा हमेशा से मानवाधिकारों से जुड़ी आशंकाएँ रही हैं। पश्चिमी देश इस बात पर विशेष ज़ोर देते हैं कि अभियुक्त को कहीं भी अमानवीय या अपमानजनक स्थिति का सामना न करना पड़े। भारत सरकार ने इसी चुनौती को भांपते हुए मुंबई की आर्थर रोड जेल की बैरक नंबर 12 का विस्तृत ब्योरा बेल्जियम को भेजा है। इसमें बंदियों के लिए पर्याप्त जगह, साफ-सुथरी व्यवस्था और शौचालय की सुविधा है। साथ ही दिन में तीन बार संतुलित भोजन और कैंटीन से फल-स्नैक्स का विकल्प भी मौजूद है। इसके अलावा, योग, ध्यान, खेल और पुस्तकालय जैसी गतिविधियाँ भी हैं। साथ ही 20 बिस्तरों वाला जेल अस्पताल तथा आपात स्थिति में बड़े अस्पताल का विकल्प भी है। साथ ही सीसीटीवी निगरानी, मानवाधिकार आयोग की जांच और न्यायिक पर्यवेक्षण है। इन बिंदुओं से यह स्पष्ट है कि भारत ने हर उस सवाल का जवाब पहले ही तैयार कर लिया है, जिसे लेकर विदेशी अदालतें शंका जता सकती थीं।

हम आपको बता दें कि मेहुल चोकसी और नीरव मोदी पर 13,000 करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी का आरोप है। यदि चोकसी भारत लौटता है तो यह उन लाखों लोगों के लिए उम्मीद की किरण होगी जिनका धन इस घोटाले में फंसा। लेकिन इस पूरी कवायद का अर्थ केवल एक अपराधी को सज़ा दिलाना भर नहीं है। भारत यह दिखाना चाहता है कि उसकी न्यायिक और कारागार प्रणाली वैश्विक मानकों पर खरा उतर सकती है। इसके अलावा, लंबे समय तक यह धारणा रही कि बड़े आर्थिक अपराधियों पर भारत का शिकंजा ढीला पड़ जाता है। यह कदम उस धारणा को तोड़ने का प्रयास है। हालांकि यहां सवाल यह भी है कि क्या भारत की सभी जेलें इसी स्तर पर सुधारी जा सकती हैं या यह विशेष व्यवस्था केवल 'उच्च प्रोफ़ाइल' मामलों तक सीमित रहेगी।

बहरहाल, मेहुल चोकसी का प्रत्यर्पण भारत के लिए केवल कानूनी जीत नहीं होगी, बल्कि यह एक प्रतीक होगा कि न कोई इतना बड़ा है कि कानून से बच सके और न कोई इतना ताकतवर कि न्याय को चुनौती दे सके। यदि बेल्जियम की अदालत भारत के आश्वासनों से संतुष्ट होती है और चोकसी को भारत भेजा जाता है, तो यह कदम न केवल आर्थिक अपराधियों के लिए चेतावनी होगा, बल्कि यह भी साबित करेगा कि भारत अब अपनी न्याय व्यवस्था को लेकर किसी तरह की शंका या संदेह की गुंजाइश नहीं छोड़ना चाहता।

आश्रम पद्धति विद्यालय बरैसा का एडीओ पंचायत ने किया निरीक्षण

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। सदर ब्लॉक के एडीओ पंचायत कमलाकांत मिश्र ने सोमवार को आश्रम पद्धति विद्यालय बरैसा का निरीक्षण कर कराए जा रहे निर्माण कार्यों को देखा। इस दौरान उन्होंने जरूरी निर्देश देते हुए समूह की महिलाओं द्वारा बच्चों के लिए बनाए गए भोजन की गुणवत्ता को खाते हुए परखा। पंचायत राज विभाग की ओर से आश्रम पद्धपति विद्यालयों में जरूरी कार्यों को कराया जा रहा है। सोमवार की सुबह एडीओ पंचायत आश्रम पद्धति विद्यालय बरैसा पहुंचे। यहां पर सबसे पहले उन्होंने ग्राम पंचायत द्वारा कराये जा रहे कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पाया कि पंचायती राज विभाग द्वारा विद्यालय में आठ पीस सीमेंटेड थ्री सीटर कुर्सी की व्यवस्था करा दी गई है।

विद्यालय के तीनों हैंडपम्पों का रीबोर भी करा दिया गया है। शौचालय मरम्मत में दरवाजे की कमी है। इसे भी शीघ्र लगवाने का निर्देश दिया गया। अंत में उन्होंने विद्यालय के बच्चों के लिए समूह की महिलाओं द्वारा बनाए गए भोजन की गुणवत्ता को बच्चों के साथ भोजन करते हुए परखा।

उपायुक्त, स्वतः रोजगार ने जयप्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय का किया निरीक्षण

बच्चों संग किया भोजन, स्वादिष्ट भोजन की, की तारीफ

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। उपायुक्त, स्वतः रोजगार सुखराज बन्धु ने आकस्मिक रूप से जय प्रकाश नाराण सर्वोदय विद्यालय, भरसवां पहुंचकर छात्राओं के लिए स्वयं सहायता समूह द्वारा बनाये जा रहे भोजन/ व्यवस्था का निरीक्षण किया एवं बच्चों संग भोजन कर भोजन की गुणवत्ता को परखा, स्वादिष्ट भोजन पाकर सभी छात्राओं एवं स्टाफ बहुत खुश है और प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया है।

ज्ञात हो कि जिलाधिकारी के निर्देशन में विद्यालय में समुचित व्यवस्थाओं में जो भी गैप है, सभी पर तीव्र गति से कार्य करते हुए उसे ठीक कराया जा रहा है।

जनपद कौशाम्बी में समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित जयप्रकाश नारायण सर्वोदय आवासीय विद्यालयों में विद्यार्थियों के लिए भोजन एवं जलपान की व्यवस्था की जिम्मेदारी राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अन्तर्गत संचालित स्वयं सहायता समूहों को दी गयी है।

स्वयं सहायता समूह के सदस्य इन विद्यालयों में भोजन एवं जलपान की पूरी व्यवस्था स्वयं कर रही है। स्वयं सहायता समूह को प्रति विद्यार्थी 114 रूपये प्रतिदिन की दर से भुगतान प्राप्त होगा। सुबह का नास्ता, दोपहर का भोजन, सायंकालीन नास्ता, रात्रि भोजन, मौसमी फल व दूध आदि प्रतिदिन मीनू के आधार पर स्वयं सहायता समूह के सदस्यों के द्वारा दिया जा रहा है।

भोजन की गुणवत्ता के लिए प्रतिदिन प्रधानाचार्य एवं शिक्षकों को बच्चों को परोसने के पूर्व चेक करवाया जाता है। विद्यालयों के नोडल अधिकारी भी समय-समय पर विद्यालय पहुंच कर भोजन की गुणवत्ता की जांच कर रहे है। सभी विद्यार्थी भोजन एवं जलपान से बहुत प्रसन्न है एवं जिला प्रशासन को इसके लिए धन्यवाद भी दे रहे है, विद्यार्थियों का कहना है कि भोजन एकदम घर जैसा स्वादिष्ट मिल रहा है।

जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय ककोढ़ा में जान्हवी महिला स्वयं सहायता समूह, जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय कोइलहां में जय राम महिला स्वयं सहायता समूह, जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय करारी में शबाना महिला स्वयं सहायता समूह, जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय बरैंसा में दुर्गा महिला स्वयं सहायता समूह व जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय भरसवां में संस्कृति महिला स्वयं सहायता समूह को इसकी जिम्मेदारी दी गयी है।

सरायअकिल और मंझनपुर में डेयरी उत्पाद पर छापेमारी

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। आगामी त्योहारों के मद्देनजर खाद्य पदार्थों में मिलावटखोरी को रोकने के लिए खाद्य सुरक्षा व औषधि प्रशासन ने सोमवारक को छापामारी की। टीम ने सरायअकिल के बेनीराम कटरा व मंझनपुर में डेयरी उत्पाद के नमूने लिए। जांच के लिए प्रयोगशाला भेज दिया है। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन और डीएम मधुसूदन हुल्गी द्वारा आगामी नवरात्र, दशहरा पर्व के दौरान मिलावटी मिष्ठान, दुग्ध के सामान व व्रत के सामानों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के निर्देश खाद्य सुरक्षा व औषधि प्रशासन टीम को दे रखा है। उनके निर्देश के क्रम में सोमवार को सराय अकिल, मंझनपुर बाजारों से दूध के नमूने संग्रहीत किए गए।

सरायअकिल के बेनीराम कटरा स्थित नादूल डेयरी से फुल क्रीम दूध, टॉन्ड दूध, मिक्स दूध, सप्रेटा दूध का नमूना लिया गया। इसी तरह मंझनपुर के शिवम् बेकर्स से अमूल मोती टॉन्ड दूध और अमूल ताजा टॉन्ड दूध का नमूना लिया गया। छापेमारी आगामी त्योहारों के दृष्टिगत लगातार अभियान जारी रहेगी। सोमवार को हुई छापेमारी से बाजारों में हड़कम्प रहा। छापेमारी करने वालों में खाद्य सुरक्षा अधिकारी शिव प्रताप तिवारी, खाद्य सुरक्षा अधिकारी भरत कुमार मिश्र, नितिन कुमार तथा अरविंद कुमार सिंह शामिल रहे।

ट्रैक्टर नहीं मिला तो बाइक से अर्थी लेकर घाट पहुंचे युवक, अखिलेश यादव ने शेयर किया वीडियो

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। सोशल मीडिया पर मानवता को शर्मसार कर देने वाला एक वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो कड़ा धाम क्षेत्र मोहब्बतपुरजीता गांव का बताया जा रहा है। वीडियो में दो व्यक्ति बाइक पर महिला की अर्थी लेकर जाते नजर आ रहे हैं। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भी वीडियो शेयर करते हुए सरकार पर टिप्पणी की है। उन्होंने लिखा है कि इससे शर्मनाक और क्या हो सकता है। वायरल वीडियो पर अन्य कई लोगों ने भी तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है।

यह वीडियो रविवार का बताया जा रहा है। मोहब्बतपुरजीता गांव की बुधरानी की संदिग्ध दशा में हुई मौत के बाद उसके परिजन अंतिम संस्कार की तैयारी कर रहे थे। अर्थी श्मसान घाट तक ले जाने के लिए लोग ट्रैक्टर का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान बुधरानी के मायके के दो युवक अर्थी को बाइक पर रखकर घाट पहुंच गए। रास्ते में किसी ने इनका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया। देखते ही देखते यह वीडियो वायरल हो गया। पुलिस को बुधरानी के जेठ ने बताया था कि शनिवार को उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। हालांकि पोस्टमार्टम में फांसी का जिक्र नहीं है, बल्कि बिसरा प्रिजर्व किया गया है। मौत की वजह को लेकर संशय बना हुआ है।

रविवार को पोस्टमार्टम के बाद शव निजी वाहन से घर लाया गया तो वहां पहुंचे महिला के मायके वाले ससुराल वालों पर आरोप लगाने लगे। दोनों पक्षों के बीच विवाद काफी देर तक चलता रहा। कहा जा रहा है कि मायके वालों ने ससुराल वालों को महिला का शव छूने से मना कर दिया। इसबीच शाम हो गई। ससुराल के लोग यह कहकर अंतिम संस्कार अगले दिन सुबह करने की बात कह रहे थे कि रात में अंतिम संस्कार नहीं किया जाता है। इसबीच अर्थी को घाट तक ले जाने के लिए ट्रैक्टर मंगवाने की बात भी चल रही थी। खींचतान मची ही थी कि मायके से आए चार लोग अर्थी को कंधे पर रखकर आगे बढ़ गए। कुछ दूर आगे जाने पर मायके से आए दो युवक, जो मृत महिला के करीबी रिश्तेदार बताए जा रहे हैं, अर्थी को बाइक पर रखकर घाट पहुंच गए। जहां उसका अंतिम संस्कार किया गया।

पीड़ित परिजनों से नगर पंचायत अध्यक्ष ने की मुलाकात

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। कड़ा धाम कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की 16 वर्षीय किशोरी संग चार सितंबर को दो बदमाशों ने गैंगरेप कर निर्मम हत्या कर दी थी। सोमवार को नगर पंचायत अध्यक्ष रागिनी अरुण केसरवानी मृतका के परिजनों से मुलाकात कर ढांढस बंधाया। हर सम्भव मदद का आश्वासन दिया है। किशोरी की हत्या के बाद पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार के निर्देशन में कड़ा धाम थानाध्यक्ष धीरेंद्र सिंह ने संयुक्त टीम के साथ आरोपियों को मुठभेड़ में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। घटना के बाद सोमवार को नगर पंचायत दारानगर कड़ा धाम की अध्यक्ष रागिनी अरुण केसरवानी एवं अधिशासी अधिकारी दिनेश सिंह टीम के साथ पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे।

उन्हें ढांढस बंधाया। हर संभव मदद का आश्वासन दिया। कहा कि उन्हें जल्द से जल्द आवास और अन्य जरूरी सुविधाएं नगर पंचायत द्वारा उपलब्ध कराई जाएंगी। इस दौरान नगर पंचायत की ओर से परिवार को राशन एवं गृहस्थी से जुड़ा सामान भी प्रदान किया गया। इस अवसर पर उद्योग व्यापार मंडल कौशाम्बी के जिलाध्यक्ष अरुण केसरवानी, पूर्व पंडा समाज अध्यक्ष उदय पांडेय, देवीगंज व्यापार मंडल अध्यक्ष नीरज साहू, कोषाध्यक्ष श्यामू अग्रहरि, बृजेश विद्यार्थी, तूफानी पंडा सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे।

निष्ठा पूर्वक कार्य करते हुए करें जिम्मेदारियों का निर्वहन : अध्यक्ष

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। कलक्ट्रेट स्थित सम्राट उदयन सभागार में सोमवार को आयोजित समारोह में नवचयनित कनिष्ठ सहायकों को नियुक्त पत्र वितरित किया गया। आयोजन का शुभारम्भ जिला पंचायत अध्यक्ष कल्पना सोनकर ने दीप जलाकर किया। जिला पंचायत अध्यक्ष, भाजपा जिलाध्यक्ष, पूर्व विधायक ने नवचयनित कनिष्ठ सहायक अजय कुमार, विजय बहादुर, निखिल कुमार, शिव कुमार, अमन कुमार, अमित विश्वकर्मा, रोहित साहू एवं अरविंद कुमार को नियुक्ति-पत्र प्रदान किया। इस मौके पर जिला पंचायत अध्यक्ष ने नवचयनित कनिष्ठ सहायकों को बधाई एवं उज्जवल कार्यकाल की शुभकामनाएं दी। कहा कि आप लोग निष्ठापूर्वक कार्य करते हुए अपने दायित्वों का जिम्मेदारी पूर्वक निर्वहन करें। भाजपा जिलाध्यक्ष धर्माराज मौर्य ने नवचयनित कनिष्ठ सहायकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने वर्ष 2047 तक देश को विकसित देश बनाने का संकल्प लिया है।

देश को विकसित देश बनाने में उत्तर प्रदेश की बहुत बड़ी अहम भूमिका है। हम सबको विकसित देश बनाने के लिए अपना योगदान करना चाहिए। प्रदेश के जिला चिकित्सालयों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों व मेडिकल कॉलेज आदि में मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है। इससे आमजन का विश्वास सरकार के प्रति बहुत बढ़ा है। इस दौरान लखनऊ में मुख्यमंत्री द्वारा नव चयनित 1112 कनष्ठि सहायकों एवं 22 एक्स-रे टेक्निशियन को नियुक्ति पत्र देने के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण भी लोगों को दिखाया गया।

विवाहिता को बनाया बंधक बहन को बेरहमी से पीटा

कौशाम्बी। भरवारी के नया बाजार में ससुराल वालों ने विवाहिता को मारपीट कर बंधक बना लिया। जानकारी होने पर बहन पहुंची तो उसको बेरहमी से पीटा गया। यूपी 112 पुलिस ने घायल को अस्पताल में भर्ती कराया। विवाहिता की तहरीर पर ससुराल वालों के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। नया बाजार, भरवारी की माजदा बेगम की वर्ष 2015 को नया बाजार के मुन्ना उर्फ अब्दुल कदीर के साथ निकाह हुआ था। माजदा बेगम का आरोप है कि शादी के बाद से ही उसका पति आए दिन मारता-पीटता था। ननद व ससुर भी प्रताड़ित करते थे। आरोप है कि शुक्रवार पति आया और उसे पीटने लगा। इस दौरान ननद गुड़िया, नाजिया, चांदनी, ससुर नईम उल्ला, चचिया ससुर व उसकी बेटी भी आ गई। सभी लोगों ने मारपीट कर उसको कमरे में बंद कर दिया। इसकी जानकारी उसकी बहन को मिली तो वह ससुराल आई। बहन के सामने ससुर ने कहा कि कब्र खोदो, आज इसको दफना देंगे। इसका विरोध उसकी बहन ने किया तो उसको भी बेरहमी से मारापीटा। इससे उसको गंभीर चोटें भी आई। यूपी 112 पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची तो उसकी बहन की जान बची। बहन को पुलिस ने अस्पताल में भर्ती कराया और उसको मायके छोड़ा। विवाहिता की तहरीर पर पुलिस ने ससुराल वालों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

जिलाधिकारी ने की जिला उद्योग बन्धु समिति की बैठक

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने उदयन सभागार में जिला उद्योग बन्धु समिति की बैठक की।

जिलाधिकारी ने उद्यमियों की समस्याओं को सुनकर संबंधित अधिकारियों को समस्या समयबद्ध निस्तारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने उद्यमियों से कहा कि औद्योगिक अस्थान विकसित किए जाने के लिए बसुहार, चायल तथा औरैनी, सिराथू में भूमि चिन्हित किया गया है, शीघ्र ही अग्रिम कार्यवाही पूर्ण कर लिया जाएगा।

ज्ञात हो कि जिलाधिकारी ने सीएम उद्यमी युवा योजना के अन्तर्गत विभिन्न बैंकों में लम्बित ऋण आवेदनों की बैंकवार समीक्षा के दौरान ऋण आवेदनों के निस्तारण में लापरवाही पाये जाने पर नाराजगी प्रकट करते हुए सभी बैंकर्स को शीघ्र ऋण आवेदनो को निस्तारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा सीएम उद्यमी युवा योजना के ऋण आवेदनों के निस्तारण में लापरवाही पाए जाने पर नाराजगी प्रकट करते हुए बैंक ऑफ बड़ौदा में प्रेषित ऋण आवेदनों को वापस मंगाकर अन्य बैंकों में प्रेषित करने के निर्देश दिए।

बैठक में बताया गया कि निवेश मित्र पोर्टल पर विगत एक माह में कुल 796 प्रकरण प्राप्त हुए हैं, जिसमे से 676 प्रकरण निस्तारित हो चुके है तथा 30 प्रकरण विभिन्न विभाग के स्तर पर लम्बित है, जिस पर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को लम्बित प्रकरण समयबद्ध निस्तारित करने के निर्देश दिए।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी व अपर जिलाधिकारी शालिनी प्रभाकर सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण तथा उद्यमीगण-रमेश अग्रहरि, प्रेमचंद चौधरी, अरुण केशरवानी, अरविन्द केशरवानी, पुष्पेंद्र केशरवानी व नीरज केशरवानी आदि उपस्थित रहे।

अध्यक्ष जिला पंचायत, भाजपा जिलाध्यक्ष, पूर्व विधायक ने नवचयनित कनिष्ठ सहायकों को नियुक्ति-पत्र किया प्रदान

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। अध्यक्ष जिला पंचायत कल्पना सोनकर, भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य, पूर्व विधायक लाल बहादुर एवं अध्यक्ष नगर पालिका परिषद भरवारी कविता पासी ने उदयन सभागार में आयोजित नवचयनित कनिष्ठ सहायकों को नियुक्त-पत्र वितरण समारोह का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया।

ज्ञात हो कि समारोह में अध्यक्ष जिला पंचायत, भाजपा जिलाध्यक्ष, पूर्व विधायक ने जनपद कौशांबी से नवचयनित कनिष्ठ सहायक-अजय कुमार, विजय बहादुर, निखिल कुमार, शिव कुमार, अमन कुमार, अमित विश्वकर्मा, रोहित साहू एवं अरविंद कुमार को नियुक्ति-पत्र प्रदान किया।

अध्यक्ष जिला पंचायत ने नवचयनित कनिष्ठ सहायकों को बधाई एवं उज्जवल कार्यकाल की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आप लोग निष्ठापूर्वक कार्य करते हुए अपने दायित्वों का जिम्मेदारी पूर्वक निर्वहन करें। केंद्र व प्रदेश सरकार, गरीबों के कल्याण के साथ ही समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिए संकल्पित है।

जिलाधिकारी ने शिकायतकर्ताओं से सम्पर्क न करने वाले अधिकारियों के विरुद्ध कारण बताओ नोटिस निर्गत करने के दिए निर्देश

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। सोमवार को तहसील सदर में सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान जिलाधिकारी महोदय द्वारा विगत तहसील दिवस के निस्तारित प्रकरणों में से रैण्डम आधार पर 40 निस्तारित प्रकरणों का परीक्षण 13 जनपद स्तरीय अधिकारियों से कराया गया, जिसमें 10 ऐसे प्रकरण पाये गये जो जिला स्तरीय अधिकारियों के परीक्षण में शिकायतकर्ताओं से असंतोषजनक फीडबैक प्राप्त हुआ। कुछ प्रकरणों में यह भी प्रकाश में आया कि जिम्मेदार अधिकारी/कर्मचारी द्वारा शिकायतकर्ताओं से सम्पर्क ही नहीं किया गया है। जिम्मेदार अधिकारी/कर्मचारी का विवरण निम्नवत् हैः-

1. श्री ब्रह्मेश मिश्रा, उप निरीक्षक, थाना एयरपोर्ट, प्रयागराज।
2. श्री गंगा प्रसाद, लेखपाल, तहसील सदर, प्रयागराज।
3. श्री विपिन चन्द्र, जोनल अधिकारी-6, नगर निगम, प्रयागराज।
4. श्री दिलीप श्रीवास्तव, कर अधीक्षक, जोन-3, नगर निगम, प्रयागराज।
5. श्री सुधीर कुमार, लेखपाल, तहसील सदर, प्रयागराज ।
6. श्री आशीष कुमार, अवर अभियन्ता, गंगा प्रदूषण नियंत्रण इकाई, जल निगम, नगरीय, प्रयागराज।
7. श्री आशीष कुमार, जोनल अधिकारी, नगर निगम, प्रयागराज।
8. श्री सुशील शुक्ला, लेखपाल, तहसील सदर, प्रयागराज ।
9 . श्री राजकुमार अग्रवाल, मोहर्रिर-1, पशु कल्याण विभाग, नगर निगम, प्रयागराज ।
10. श्री सी0के0 पाण्डेय, उप निबंधक, सदर-प्रथम, प्रयागराज।

जिलाधिकारी ने जिन अधिकारी द्वारा शिकायतकर्ताओं से सम्पर्क नहीं किया गया है, उन्हें प्रतिकूल प्रविष्टि तथा जिन अधिकारियों द्वारा निस्तारण में लापरवाही/शिथिलता बरती गयी है, उन्हें कारण बताओ नोटिस निर्गत करने के निर्देश दिए है।

बाइक पर शव का वीडियो वायरल मामला

पारिवारिक कलह के चलते महिला की फांसी लगाने से हुई थी मौत

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जिले में पोस्टमॉर्टम हाउस से शव को बाइक घर ले जाने का वीडियो सामने आने के बाद प्रशासनिक अमले में हड़कंप मचा हुआ है। परिजन लगभग 30 किमी तक बाइक पर शव को रखकर घर ले जाते हुए दिखे थे।बाइक पर शव एक महिला का था, मृतका महिला ने शनिवार की रात को फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। इसके बाद उसे पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया था, जहां पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया था।

ज्ञात हो कि मामला कड़ा धाम कोतवाली के पूरा मजरा मोहब्बतपुर जीता का है। जहां की रहने वाली बुधरानी (47) घर पर अकेली रहती थी। इनके पति छंगूलाल (50) अपने छोटे बेटे के साथ गाजियाबाद में रहकर नौकरी करते हैं। जबकि बड़ा बेटा दुबई में रहता है। इसके पड़ोस में रहने वाले रामलाल ने बताया कि रविवार की सुबह बुधरानी काफी देर तक बाहर नहीं निकली तो लोगों को कुछ अजीब लगा। इसके बाद दरवाजे के बाहर से आवाज लगाई, लेकिन दूसरी तरफ से कोई जवाब नहीं आया।

इस पर दरवाजे को धक्का दिया गया तो दरवाजा खुल गया। अंदर जाकर देखा तो कमरे में बुधरानी का शव फंदे से लटक रहा था। इसके बाद घटना की सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया और जांच में जुटी हुई थी।

रविवार की शाम जब शव परिजनों को पोस्टमॉर्टम हाउस से मिला तो साधन उपलब्ध नहीं होने और परिजन महिला के शव को पोस्टमार्टम हाउस से अपने घर तक बाइक से ले गए। किसी ने बाइक से शव लेकर जाने का वीडियो बनाकर लिया।जिसका वीडियो किसी बाइक वाले ने बना लिया था, वीडियो में बाइक से शव लेकर जाने वाला व्यक्ति बोलता दिखाई दे रहा है कि गाड़ी नहीं मिलने की वजह से शव को ऐसे ले जाना पड़ रहा है।बाइक से शव को ले जाने की वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुई तो प्रशासनिक अमले में हड़कंप मच गया, अब अधिकारी इस मामले की जांच की बात कह रहे है।

अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर जिला कारागार में नवभारत साक्षरता कार्यक्रम कार्यशाला का आयोजन

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर जिला कारागार में नवभारत साक्षरता कार्यक्रम पर आधारित एक प्रेरक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कारागार को शिक्षा और जागरूकता का केंद्र बनाने का संकल्प लिया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ बेसिक शिक्षा परिषद के जिला समन्वयक (सामुदायिक शिक्षा) अमित शुक्ला एवं डीसी प्रशिक्षण आशीष मिश्रा द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि जेल अधीक्षक सचिन वर्मा ने साक्षरता को व्यक्ति के आत्मविकास और समाज की मुख्यधारा से जुड़ने का सशक्त माध्यम बताते हुए कहा कि शिक्षा ही वह प्रकाश है जो अज्ञानता और नकारात्मकता को दूर कर सकता है। उन्होंने इस पहल को कारागार सुधार की दिशा में एक मील का पत्थर बताया।इस अवसर पर डिप्टी जेलर मुकेश प्रकाश महेश सिंह ने साक्षरता को आत्मविश्वास और अनुशासन से जोड़ते हुए कहा कि शिक्षा व्यक्ति को सही दिशा देती है और बंदियों को समाजोपयोगी जीवन जीने के लिए प्रेरित करती है। वहीं प्रभारी अभिषेक कुमार पांडेय ने भी कार्यक्रम में सक्रिय भूमिका निभाई और बंदियों को साक्षरता अभियान से जुड़ने के लिए प्रेरित किया।कार्यशाला में नवभारत साक्षरता कार्यक्रम की रूपरेखा और उद्देश्यों को विस्तार से बताया गया। अमित शुक्ला ने सामुदायिक शिक्षा की प्रासंगिकता पर जोर दिया, वहीं आशीष मिश्रा ने प्रशिक्षण की व्यावहारिक विधियों से सभी को अवगत कराया।इस प्रेरक अवसर पर कारागार प्रशासन एवं शिक्षा विभाग के अधिकारियों की उपस्थिति में शिक्षक उत्सव तिवारी द्वारा बंदियों को यह संकल्प दिलाया कि शिक्षा की ज्योति से कारागार का हर कोना आलोकित होगा। कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि साक्षरता केवल अक्षर ज्ञान ही नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता, आत्मसम्मान और उज्ज्वल भविष्य की कुंजी है । इस अवसर पर बंदियों को साक्षरता कार्यक्रम से संबंधित स्टेशनरी इत्यादि का वितरण किया गया।

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के सिराथू तहसील अध्यक्ष बने चंद्र प्रकाश

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उत्तर प्रदेश इकाई कौशांबी की सिराथू तहसील इकाई का गठन किया गया।

इस मौके पर सर्वसम्मति से चंद्र प्रकाश को सिराथू तहसील का अध्यक्ष चुना गया। चयन के बाद पदाधिकारियों ने उन्हें बधाई देते हुए संगठन को मजबूत बनाने और पत्रकार हितों की रक्षा के लिए मिलकर काम करने का संकल्प लिया।

शुद्धि-सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इलमा हुसैन (ELMA HUSSAIN) के जन्म प्रमाण पत्र में त्रुटिवश पिता का नाम ज़ाकिर हुसैन अंकित है जो कि गलत है, जबकि सही नाम मोहम्मद ज़ाकिर हुसैन (MOHAMMAD ZAKIR HUSSAIN) जो कि स्कूल के अंत्रपत्र, आधार कार्ड तथा पैन कार्ड में भी अंकित है, वास्तव मे उपरोक्त जन्म प्रमाण पत्र के लिखत पढत में मोहम्मद ज़ाकिर हुसैन (MOHAMMAD ZAKIR HUSSAIN) को ही सत्य माना जाए, जो कि मेरी निजी जानकारी मे सत्य व सही हैं।

प्रार्थी

(मोहम्मद ज़ाकिर हुसैन)

पुत्र मो0 अब्बाद हुसैन

निवासी : एच0आई0जी0 ए/4 नीम सरांय

आवसी योजना फेज 2, प्रयागराज उ0प्र0

समाधान दिवस-सदर : जन समस्याओं के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता क्षम्य नहीं

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को समाधान दिवस में आयी शिकायतों को गुणवत्तापूर्वक एवं समयबद्धता के साथ निस्तारित करने के दिए निर्देश

समाधान दिवस में कुल 169 प्रकरण सुनवाई के लिए आयें, 43 प्रकरणों का मौके पर किया गया निस्तारण

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में सोमवार को तहसील सदर में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी ने सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर जनसमस्याओं को सुनते हुए राजस्व, पुलिस, स्वास्थ्य एवं अन्य सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को प्रकरण की जमीनी स्तर पर जांच कर शिकायतों को गुणवत्तापूर्वक एवं समयबद्धता के साथ निस्तारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनशिकायतों का निस्तारण शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता वाले बिंदुओं में से एक है, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता क्षम्य नहीं होगी। उन्होंने सभी सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रार्थनापत्रों की समयबद्ध जांच, उसपर प्रभावी कार्रवाई एवं समस्याओं का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण ढंग से सुनिश्चित किया जाये। शिकायतों के निस्तारण एवं गुणवत्ता में यदि किसी भी प्रकार की लापरवाही पायी गयी, तो सम्बंधित अधिकारी के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने कहा कि यदि शिकायत सड़क बनाने या अन्य मांग श्रेणी की हो, तो सम्बंधित अधिकारी प्रकरण पर उचित कार्रवाई करते हुए उसे अपनी कार्ययोजना में सम्मिलित करें। साथ ही साथ उन्होंने यह भी निर्देशित किया है कि शिकायतकर्ता से फीडबैक भी लिया जाये और शिकायतों के निस्तारण से शिकायतकर्ता संतुष्ट भी होना चाहिए। जिलाधिकारी ने समाधान दिवस में आयें हुए वरासत, अवैध कब्जा व अन्य शिकायतों का शीघ्रता से निस्तारण किए जाने का निर्देश दिया है। जिलाधिकारी ने प्रार्थनापत्रों की अलग-अलग सूची बनाकर सम्बंधित को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए है। जिलाधिकारी ने चकमार्गो को अवैध कब्जों से मुक्त कराने के लिए कहा है।

समाधान दिवस में शिकायतकर्ता मिन्नतुल्ला निवासी 227 हरवारा सदर के द्वारा अपने शिकायती प्रार्थनापत्र में धारा-32/38 भू-राजस्व संहिता से सम्बंधित पत्रावली को काफी दिनो से लम्बित रखने एवं उसपर लेखपाल के द्वारा रिपोर्ट न लगाये जाने की शिकायत पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए उपजिलाधिकारी सदर को दिया, जिसपर उपजिलाधिकारी सदर के द्वारा प्रकरण पर तत्काल कार्रवाई करते हुए प्रकरण का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। इसी तरह से जिलाधिकारी ने वरासत से सम्बंधित प्रकरणों पर लापरवाही एवं उदासीनता बरतने पर लेखपाल महेश मिश्रा को भी प्रतिकूल प्रविष्टि दिए जाने का निर्देश दिया है।

जिलाधिकारी ने सम्बंधित लेखपाल-महेन्द्र प्रताप सिंह के विरूद्ध प्रतिकूल प्रविष्टि दिए जाने एवं प्रकरण का तत्काल निस्तारण करने का निर्देश

श्रीमती बबीता देवी पत्नी स्व0 सुरेन्द्र कुमार निवासी 13, स्टैनली रोड, प्रयागराज ने उनकी आराजी सं0-569 एवं 570 के जुजभाग मौजा उमरपुर नींवा, परगना व तहसील सदर पर भू-माफिया चन्द्रशेखर सिंह व उनके लड़के द्वारा जबरन कब्जा करने की शिकायत की, जिसपर जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी सदर एवं एसीपी को उक्त प्रकरण की संयुक्त जांच कर प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है। प्रार्थी विनय कुमार तिवारी निवासी बसही कोटहा थाना करछना के द्वारा वरासत लाइसेंस हेतु लम्बित आवेदन पत्र के सम्बंध में कार्रवाई किए जाने हेतु प्रार्थना पत्र दिए जाने पर जिलाधिकारी ने अपर जिलाधिकारी (नगर) को नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही करने का निर्देश दिया है।

सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर कुल 169 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें से 43 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। जिलाधिकारी ने शेष शिकायतों के निस्तारण हेतु सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को शिकायतों को आज ही प्राप्त करते हुए उनको निर्धारित समयसीमा के अन्तर्गत गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारण के निर्देश दिए है। जिलाधिकारी ने सभी सम्बंधित अधिकारियों को हिदायत देते हुए कहा है कि शिकायतों का निस्तारण अनिवार्य रूप से निर्धारित समयसीमा के अन्तर्गत हो जाना चाहिए।

समाधान दिवस के पूर्व जिलाधिकारी ने तहसील सदर में विभिन्न विभागों के द्वारा लगाये गये योजनाओं के स्टॉलों का अवलोकन कर योजनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त करते हुए ज्यादा से ज्यादा पात्र लोगो को योजनाओं के बारे में जानकारी देते हुए उन्हें योजना से लाभान्वित कराये जाने के लिए कहा है। इस अवसर पर ज्वाइंट मजिस्ट्रेट्ट अनिमेष वर्मा, उपजिलाधिकारी सदर अभिषेक सिंह, तहसीलदार सदर सहित अन्य सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

फिर लाल निशान के करीब गंगा-यमुना

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। जनपद में गंगा-यमुना का जलस्तर खतरे के निशान (84.73 मीटर) के करीब पहुंच रहा है। फाफामऊ में गंगा का जलस्तर सोमवार शाम चार बजे 84 मीटर के ऊपर पहुंच गया। नैनी में यमुना भी 84 मीटर के करीब हैं। मंगलवार को गंगा-यमुना का जलस्तर खतरे का निशान (84.73 मीटर) पार कर सकता है। अब गंगा-यमुना का जलस्तर 85 मीटर तक पहुंचने का अनुमान लगाया जा रहा है। गंगा में लगातार पानी बढ़ने से इसके किनारे शहरी और ग्रामीण इलाकों में खलबली मच गई है। यमुना की सहायक ससुर खदेरी नदी किनारे मोहल्लों में भी पानी पहुंचने लगा है।

कानपुर बैराज से लगातार छोड़ा जा रहा लाखों क्यूसेक पानी प्रयागराज के लिए मुसीबत बन गया है। बैराज से सोमवार को 4.33 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। गत दिवस 4.16 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया था। यमुना में भी लगातार पानी आ रहा है। एकदिन पहले औरैया और चिल्लाघाट में यमुना का जलस्तर घट रहा था। दोनों केंद्रों पर जलस्तर फिर बढ़ने लगा है। इसके अलावा मथुरा और आगरा का पानी भी प्रयागराज आएगा। गंगा का जलस्तर 84 मीटर पार करने के पहले शहर के कछार मऊ, मऊ सरैया, बघाडा जहरूद्दीन, बघाडा बालन, मेंहदौरी कछार, शिवकुटी, नेवादा, बेली, सलोरी, करेलाबाग, करेली के मोहल्ले बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। वहीं फूलपुर तहसील के बदरा, सोनौटी, धोकरी, सोलीलापुर और करछना तहसील के देहली, भगेसर तक बाढ़ का पानी पहुंच चुका है। शहर चार बाढ़ राहत शिविरों में शाम चार बजे तक 242 परिवारों ने शरण ली है। शहर में अबतक 10 हजार से अधिक परिवार बाढ़ की चपेट में आ चुके हैं। गंगा किनारे मोहल्लों में अब नालों के सहारे बाढ़ का पानी प्रवेश कर रहा है। सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता दिग्विजय नारायण शुक्ला ने बताया कि गंगा-यमुना का जलस्तर धीमी गति से बढ़ता रहेगा। अधिशसी अभियंता के मुताबिक टोंस का जलस्तर बढ़ने से भी छतनाग के आगे गंगा का प्रवाह प्रभावित हो रहा है। प्रयागराज में सोमवार शाम गंगा-यमुना का जलस्तर फाफामऊ गंगा 84.01 मीटर छतनाग गंगा 83.25 मीटर नैनी यमुना 83.81 मीटर।

उच्च न्यायालय में दो और अधिवक्ताओं ने ली न्यायमूर्तियों पद की शपथ

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय में सोमवार को मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अरुण भंसाली ने अधिवक्ता अमिताभ कुमार राय और अधिवक्ता राजीव लोचन शुक्ला को न्यायमूर्ति पद की शपथ दिलाई। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अरुण भंसाली ने अपने न्याय कक्ष में दोनों न्यायाधीशों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह के चलते उच्च न्यायालय में न्यायिक कार्य 10.45 बजे शुरू हो सका। न्यायमूर्ति अमिताभ कुमार राय और न्यायमूर्ति राजीव लोचन शुक्ला के शपथ लेने के साथ ही उच्च न्यायालय की प्रधान पीठ में मुख्य न्यायाधीश को छोड़कर यहां न्यायाधीशों की कुल संख्या 86 हो गई है।

वहीं उच्च न्यायालय में कुल 160 पद स्वीकृत हैं, जिसमें अभी भी 74 पद रिक्त हैं। हाल में ही सुप्रीम कोर्ट ने कुल 26 और नामों की संस्तुति इलाहाबाद उच्च न्यायालय में न्यायमूर्ति के रूप में की है। अगर भविष्य में सभी पदों पर नियुक्ति हो जाती है तो एशिया के सबसे बड़े उच्च न्यायालय इलाहाबाद में न्यायाधीशों की संख्या 112 हो जाएगी। आज शपथ लेने वाले न्यायाधीशों में न्यायमूर्ति राजीव लोचन शुक्ला के बाबा महेश नारायण शुक्ला उच्च न्यायालय में 1983 से 1985 तक मुख्य न्यायाधीश रहे हैं। न्यायमूर्ति राजीव लोचन शुक्ला वर्ष 2002 से निरंतर वकालत में हैं।न्यायमूर्ति राजीव लोचन शुक्ला की ख्याति आपराधिक और सिविल मामलों के अच्छे अधिवक्ता के रूप में रही है। वहीं न्यायमूर्ति अमिताभ कुमार राय प्रधान पीठ की लखनउ पीठ में वकालत कर रहे थे। जहां उन्होंने न्यायमूर्ति के रूप में सोमवार को शपथ ली है। इस मौके पर वरिष्ठ न्यायमूर्ति मनोज कुमार गुप्ता, न्यायमूर्ति महेश चंद्र त्रिपाठी, न्यायमूर्ति डा गौतम चौधरी, न्यायमूर्ति डा शेखर कुमार यादव, न्यायमूर्ति कृष्ण पहल, न्यायमूर्ति क्षितिज शैलेन्द्र समेत तमाम न्यायिक अधिकारी और अधिवक्तागण शामिल रहे।

उप्र जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ ने नवनियुक्त एडी बेसिक का स्वागत किया

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ प्रयागराज के पदाधिकारियों ने प्रयागराज मंडल के नवनियुक्त एडी बेसिक संजय कुमार कुशवाहा का स्वागत अभिनन्दन किया। जिलाध्यक्ष विनोद कुमार पांडेय व महामंत्री राजेंद्र अनुरागी के नेतृत्व में माल्यार्पण कर और पुष्प गुच्छ देकर स्वागत अभिनन्दन किया। ध्यातव्य है कि वह इसके पूर्व यहां जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के पद पर भी कार्य कर चुके हैं।एडी बेसिक ने कहा कि सभी शिक्षकों के सहयोग से शासन की नीतियों का क्रियान्वयन किया जायेगा।सभी शिक्षक लगन व निष्ठा से अपने दायित्वों का निर्वहन करें।इस अवसर पर जिला कोषाध्यक्ष विजय कुमार सिंह पटेल, भारतेन्द्र त्रिपाठी, दुर्गा जायसवाल, निशा शुक्ला, कुलदीप सिंह, जया शर्मा, पुनीता मिश्रा, रंजना द्विवेदी, जयशंकर दूबे, योगेश सिंह, मुकेश कुमार श्रीवास्तव, मनोरमा मिश्रा, इंद्रेश कुमार तिवारी, संतोष कुमार जायसवाल, अनिल ओझा, महेश शुक्ल, दीपक श्रीवास्तव, राम जी संतोषी, सहित ब्लाकों व जिले के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

पीएम मोदी के जन्म दिन से शुरू होगा भाजपा का सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलेगा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का जीवन समाज एवं राष्ट्र के प्रति समर्पित : दिलीप सिंह पटेल

प्रयागराज। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलने वाले सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम को लेकर सोमवार को भाजपा की जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन सिविल लाइन स्थित पार्टी कार्यालय में किया गया। जिसमें सेवा पखवाड़ा के दौरान आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा पर चर्चा की गई। कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि भाजपा काशी क्षेत्र अध्यक्ष दिलीप पटेल ने कहा कि पीएम मोदी का जीवन राष्ट्र व समाज के प्रति समर्पित है इसलिए उनके जन्मदिन से संगठन के केंद्रीय व प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर जिला से लेकर बूथ स्तर पर सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। जिसके तहत 17 सितंबर को जिला स्तर पर पीएम मोदी के 75 वें जन्मदिन पर 75 यूनिट रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। उसी दिन बूथ स्तर पर स्वच्छता तथा स्वच्छता ही सेवा का संकल्प दिलाने का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा तथा पीएम मोदी का लाइव संबोधन भी सुना जाएगा। 17 से 24 सितंबर तक स्वास्थ्य शिविर लगाया जाएगा। 18 सितंबर से 2 अक्टूबर तक मंडल स्तर पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा एवं 18 सितंबर को प्रधानमंत्री के जीवन पर आधारित प्रदर्शनी लगाई जाएगी। प्रबुद्ध संवाद कार्यक्रम के तहत 19-20 सितंबर को विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत विषय पर गोष्ठी। पीएम मोदी पर डाक्यूमेंट्री फिल्म दिखाने के साथ पीएम मोदी पर आधारित पुस्तक का वितरण किया जायेगा। 21 सितंबर को आत्म निर्भर भारत, स्वदेशी विषय पर जिला गोष्ठी, प्रत्येक बूथ पर पुष्पांजलि, वृक्षारोपण

फिट इंडिया, नशा मुक्त भारत का संदेश लेकर नमो मैराथन कार्यक्रम का आयोजन होगा। 25 सितंबर को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर आत्म निर्भर भारत एवं कार्यक्रम के आयोजन के साथ कार्यकर्ता के यहां भोजन का कार्यक्रम भी होगा। 25 सितंबर से 2 अक्टूबर तक प्रशासन के सहयोग से स्वदेशी मेला का आयोजन होगा। 27-28 सितंबर को दिव्यांगजनों, विशिष्टजनों का सम्मान, उन्हें उपकरण भेंट करने के साथ धन्यवाद मोदी पोस्ट कराना कार्यक्रम आयोजित होगा। 2 अक्टूबर गांधी जयंती पर महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री के प्रतिमा/चित्र पर पुष्पांजलि, खादी वस्त्रों की खरीददारी व सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छता अभियान चलाया जायेगा। विकसित भारत चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। क्षेत्रीय अध्यक्ष दिलीप पटेल ने कहा कि पीएम मोदी का जीवन सेवा समर्पण से भरा जीवन है। सेवा पखवाड़ा एक माध्यम है जनता के बीच जाने का। कार्यकर्ताओं से अपील है कि सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम को सफल बनाने में मेहनत से लग जाएं। कार्यक्रम का संचालन महानगर महामंत्री कुंज बिहारी मिश्रा ने किया। स्वागत भाषण महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता ने किया। धन्यवाद ज्ञापन सेवा पखवाड़ा के संयोजक गौरव गुप्ता ने किया।

इस अवसर पर भाजपा काशी क्षेत्र उपाध्यक्ष अवधेश चंद्र गुप्ता, महापौर गणेश केसरवानी, पूर्व सांसद रीता बहुगुणा जोशी, निवर्तमान अध्यक्ष महानगर राजेंद्र मिश्र, रणजीत सिंह, नीरज त्रिपाठी, मुरारी लाल अग्रवाल, रवि केसरवानी, कमलेश गौतम, रमेश पासी, शशि वार्ष्णेय, प्रमोद मोदी, राजू पाठक, राजेश केसरवानी पवन श्रीवास्तव विवेक मिश्रा राजेश गोंड, विजय श्रीवास्तव, दीप द्विवेदी, अरुण पटेल, आदि बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विकसित भारत बनाने के लिए सरकारी योजनाओं के प्रबंधन के पहले स्व-प्रबंधन करना जरूरी है

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। डॉ अब्दुल कलाम ने हम सभी को भारत 2020 का विजन दिया था, आज हम सभी का लक्ष्य भी स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने अर्थात 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है। इसके लिए हमें स्वयं विकसित होना बहुत जरूरी है, यहां विकसित होने से अर्थ है कि हमारे श्रेष्ठ लक्ष्य के अनुरूप ही हमारे लक्षण हों। आज हम सब कुछ कंट्रोल करना चाहते हैं और इस खींच-तान में सब कुछ हमारे कंट्रोल से बाहर होता चला जाता है और हम सदा तनाव में रहते हैं।

वास्तव में मनुष्य केवल तीन चीजों को नियंत्रित कर सकता है पहला उसका दृष्टिकोण दूसरा उसके विचार और तीसरा उसके कर्म। यदि हम स्वयं को निमित्त और साक्षी मानकर अपने विचारों दृष्टिकोण और कर्म पर ध्यान दें तो प्रसन्न एवं शांत रहकर हम अपने सभी कार्यों का निर्वहन कर सकते हैं। लेकिन छोटी-छोटी बातों में घबराकर हम पुनः उन्ही पुराने संस्कारों के वश हो जाते हैं। इसके लिए हमें अपने अंदर दृढ़ता रखनी चाहिए और जो हमारा आत्म बल कम हो गया है, उसको बढ़ाने के लिए प्रतिदिन कुछ समय निकालकर परमात्मा जो सर्वशक्तिमान है उसके साथ अपने को कनेक्ट करना चाहिए।

उपरोक्त बातें जिलाधिकारी कार्यालय के संगम सभागार में आयोजित सेमिनार राजयोग द्वारा स्व प्रबंधन विषय पर बोलते हुए ब्रह्माकुमारीज के अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त काउंसलर प्रोफेसर ई वी गिरीश ने कही। सेमिनार में एडीएम संजीव कुमार शाक्य, एडीएम विनीता सिंह, सिटी मजिस्ट्रेट विनोद कुमार सिंह सहित राजस्व विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

इस अवसर पर ब्रह्माकुमारीज की क्षेत्रीय निदेशिका मनोरमा दीदी ने राजयोग का अभ्यास कराया एवं सभी को ब्रह्माकुमारीज के सेवा केंद्र पर आकर राजयोग सीखने के लिए आमंत्रित किया। इसके अतिरिक्त पतंजलि ऋषिकुलम स्कूल में प्रॉब्लम सॉल्विंग इन पीसफुल वे विषय पर प्रोफेसर ई वी गिरीश का सेमिनार आयोजित किया गया।

पुलिस उपायुक्त गंगानगर व सहायक पुलिस आयुक्त सोरांव द्वारा पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई कर फरियादियों की शिकायतें सुनी गई तथा निस्तारण हेतु सम्बंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए ।

महिला पतंजलि योग समिति द्वारा नए प्रशिक्षण प्राप्त महिलाओं के लिए दीक्षांत समारोह का आयोजन

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। महिला पतंजलि योग समिति प्रयागराज द्वारा आर्शीवाद गेस्ट हाउस नया कटरा में नए प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली महिलाओं के लिए दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया जिसमें प्रशिक्षण प्राप्त महिलाओं को सर्टिफिकेट वितरित किया गया कार्यक्रम में महिला पतंजलि योग समिति से जिले एवं राज्य की सभी प्रभारी एवं योग शिक्षिकाएं उपस्थित रही। अच्छा कार्य करने वाली योग प्रशिक्षिका तेलियरगंज तिकोना पार्क की शशी यादव को अंग वस्त्र एवं ट्रॉफी के द्वारा प्रभारी की तरफ से पुरस्कृत किया गया। इस कार्यक्रम में तेलियरगंज, से आई हुई महिलाओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर उपस्थित जन समुदाय को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर रंजना वाजपेई विशिष्ट अतिथि जीवन ज्योति हॉस्पिटल के डायरेक्टर वंदना बंसल जी राज्य प्रभारी सुनीता दुबे, जिला प्रभारी शुभम सिंह, एवं सदर प्रभारी सुनीता तिवारी, के साथ सावी, सीमा प्रकाश, प्रसून, संध्या, अरुणिमा, रश्मि, रागिनी, सोनिया, सुमन, नूतन, मेनका, बीना, प्रीति, सुशीला, राधा, निकिता, वंदना, गीता, किरण, शशि, आदि सैकड़ों महिलाओं ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने मे अपना संपूर्ण सहयोग प्रदान किया है।

सम्पादकीय

बिहार, तमिलनाडु, महाराष्ट्र और दिल्ली समेत कई राज्यों में 60 फीसदी से ज्यादा मंत्रियों पर आपराधिक मामले

एक आदर्श राजनेता वही होता है, जो ईमानदार, जिम्मेदार और जन-हितैषी हो। पारदर्शिता, निष्पक्षता और जनता के प्रति जवाबदेही उनके कार्य का हिस्सा हो। जो आमजन की समस्याओं और जरूरतों को भली-भांति समझे और उनका निराकरण करे। किसी भी जनप्रतिनिधि का यह मूल कर्त्तव्य है कि वह समाज में सौहार्द, शांति, सामंजस्य और सकारात्मक मूल्यों को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध रहे। मगर जब जनता का चुना हुआ नुमाइंदा खुद ही आपराधिक आरोपों के घेरे में आ जाए तो इन सब आदर्शों का क्या महत्त्व रह जाता है? इस तरह के मामले जब बड़ी संख्या में सामने आने लगे तो सियासत में शुचिता के स्तर का अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है।

चुनाव अधिकार संस्था एसोसिएशन फार डेमोक्रेटिक रिफार्म्स (एडीआर) की एक हालिया अध्ययन रपट में खुलासा किया गया है कि देश के लगभग 47 फीसद मंत्रियों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। यानी केंद्र और राज्य सरकारों के कुल मंत्रियों में से करीब आधे आपराधिक गतिविधियों में आरोपी हैं। यह आंकड़ा चौंकाने वाला और आम जनमानस को सचेत करने वाला है। सवाल है कि अगर जनप्रतिनिधियों की ही छवि इस तरह की है, तो हम किस तरह के समाज और राष्ट्र का निर्माण कर रहे हैं?

रपट के मुताबिक, जिन मंत्रियों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं, उनमें हत्या, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ अपराध जैसे गंभीर आरोप शामिल हैं। राष्ट्रीय स्तर पर चालीस फीसद केंद्रीय मंत्रियों ने खुद पर आपराधिक मामले दर्ज होने की जानकारी अपने चुनावी हलफनामे में दी है।

आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, बिहार, ओड़ीशा, महाराष्ट्र, कर्नाटक, पंजाब, तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली और पुदुचेरी में साठ फीसद से ज्यादा मंत्रियों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। इससे साफ है कि राजनीति में आपराधिक छवि वाले नेताओं का दबदबा बेरोक-टोक बढ़ रहा है। मगर सबसे महत्त्वपूर्ण सवाल यह है कि दागदार नेताओं को संसद या विधानसभा में भेजने और सरकार का हिस्सा बनाने का मौका कौन दे रहा है?

सवाल यह भी है कि जनता को कैसे पता चलेगा कि किस नेता का आचरण कैसा है और उस पर आपराधिक मामला दर्ज है या नहीं? इसका जवाब चुनाव आयोग के उस कदम में समाहित है, जिसमें सभी राजनीतिक दलों को निर्देश दिया गया है कि वे चुनाव में अपने उम्मीदवार घोषित करने के दौरान उन पर दर्ज आपराधिक मामलों की जानकारी भी सार्वजनिक करें। अगर कोई दल इन निर्देशों का पूरी तरह पालन नहीं करता है, तो चुनाव आयोग को निश्चित रूप से उस पर कड़ा संज्ञान लेना चाहिए।

यह रपट ऐसे समय पर आई है, जब हाल ही में केंद्र सरकार ने संसद में संविधान संशोधन विधेयक पेश किया है, जिसमें गंभीर आपराधिक आरोपों में गिरफ्तारी के बाद तीस दिन तक हिरासत में रहने पर प्रधानमंत्री सहित मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को पद से हटाने का प्रावधान है। अगर इस विधेयक को रपट के आंकड़ों की नजर से देखा जाए तो केंद्र सरकार की ओर से यह अहम पहल है। मगर इस पहलू पर गौर करना भी जरूरी है कि नीति और नीयत दोनों साफ-सुथरी, निष्पक्ष और पारदर्शी होनी चाहिए, तभी व्यवस्था में सुधार की उम्मीद की जा सकती है। कानून बनाने के साथ-साथ उसे प्रभावी तरीके से लागू करना भी जरूरी है, ताकि समस्याओं को जड़ से उखाड़ा जा सके।

बारिश, भूस्खलन और बर्बादी, पहाड़ों में कुदरत का गुस्सा जिम्मेदार कौन; क्या इंसान ने खुद बुला ली आफत?

उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में हर वर्ष बरसात के दिनों में तबाही देखने को मिलती हैं। भूस्खलन, बादल फटना और हिमनदों के पिघलने का सिलसिला लगातार जारी है। यह शायद पहली बार है कि राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण इस बात का अध्ययन करेगा कि दोनों प्रदेशों में इस तरह की घटनाएं क्यों लगातार बढ़ रही हैं? यह इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि जलप्रलय की इन घटनाओं ने आधुनिक विकास के मॉडल पर फिर एक बार सवाल खड़े कर दिए हैं।

अचानक बाढ़ या भूस्खलन कुछ ही मिनटों में ऐसी तबाही मचाते हैं कि बड़े पैमाने पर ढांचागत संपत्तियों और जान-माल का नुकसान हो जाता है। उत्तराखंड के धराली में पिछले दिनों ऐसी ही त्रासदी देखने को मिली थी। किसी को समझ में नहीं आया कि कैसे इस खौफनाक मंजर से खुद को बचाया जाए। अब यह भी कहा जा रहा है कि धराली की घटना बादल फटने से नहीं, बल्कि नदी के स्वभाविक जल प्रवाह में बाधाएं खड़ी करने की वजह से हुई थी। जो भी हो, मगर एक बड़ा सवाल यह खड़ा हो गया है कि क्या विकास के लिए प्रकृति से छेड़छाड़ की जा रही है? एक बात स्पष्ट है कि नदियों, झीलों और सरोवरों के किनारे अतिक्रमण करना आपदाओं को न्योता देने के समान है।

वैज्ञानिकों के मुताबिक, इस तरह की प्राकृतिक आपदाओं की मूल वजह वनों की कटाई, नदी के मार्ग में अतिक्रमण तथा बंजर भूमि और पर्वतों का कटान है। जलवायु परिवर्तन के कारण किस तरह की आपदाएं आ सकती हैं, इसे हाल की घटनाओं से समझा जा सकता है। सर्वोच्च न्यायालय ने वर्ष 1991

में निर्देश दिया था कि लोगों को खासकर नई पीढ़ी को पर्यावरण के प्रति जागरूक बनाने के लिए राज्य सरकारों को शिक्षा संस्थानों के पाठ्यक्रम में नया विषय जोड़ना चाहिए।

हालांकि, पाठ्यपुस्तकों में पर्यावरण का विषय जोड़ा गया, लेकिन इससे समाज में पर्यावरण के प्रति कितनी जागरूकता बढ़ी, यह कहना मुश्किल है। गौरतलब है कि शीर्ष अदालत ने पर्यावरण की रक्षा के लिए राज्य सरकारों को स्पष्ट निर्देश दिया था कि जन जागरण के जरिए लोगों में नई चेतना जगाई जाए। लेकिन जब इन निर्देशों से राज्य सरकारें ही नहीं जगीं, तो फिर जनता को जगाने की बात ही बेमानी है।

जानकारों का मानना है कि बढ़ते शहरीकरण से पर्यावरण को ज्यादा खतरा है। जाहिर है, भारत सहित दुनिया के तमाम देशों में औद्योगीकरण बढ़ रहा है। नदियों के स्वाभाविक रास्ते को अवरुद्ध कर वहां ढांचागत निर्माण किए जा रहे हैं। गांव और जंगल उजड़ रहे हैं। लोग रोजगार एवं सुख-सुविधाओं की तलाश में गांव छोड़ कर शहर आ रहे हैं। लेकिन जो नई बस्तियां बसाई जा रही हैं, वहां न तो पर्यावरण के मानकों का पालन हो रहा है और न ही वहां के लोगों को यह बताया जा रहा है कि वे किस तरह से पर्यावरण की रक्षा करने में सहयोगी बन सकते हैं।

सारी व्यवस्था एक तरफ और पर्यावरण की हिफाजत का सवाल दूसरी तरफ। ऐसे में पर्यावरण की रक्षा कैसे हो, यह सवाल और गंभीर हो गया है। इतना जरूर हो रहा है कि पर्यावरण संरक्षण के नाम पर अरबों रुपए बहाए जा रहे हैं। इससे कुछ लोग अपने निजी स्वार्थों की पूर्ति में लगे हुए हैं और पर्यावरण की स्थिति लगातार बिगड़ रही है। जो संस्थाएं या पर्यावरणवादी पर्यावरण संरक्षण की बात कर रहे हैं, उन्हें विकास विरोधी बता कर हताश किया जा रहा है।

देखा जाए तो विकसित देश पर्यावरण को सबसे अधिक नुकसान पहुंचा रहे हैं। उन्हें इस बात की चिंता नहीं है कि आने वाली पीढ़ियों के लिए धरती के संसाधनों का बेतहाशा दोहन बहुत बड़ा खतरा बन सकता है। इसलिए वे विकास के उस माडल के पैरोकार बने हुए हैं, जो पर्यावरण के साथ-साथ संस्कृति, धर्म और मानवता के लिए नुकसानदेह साबित हो रहा है। विकसित देशों की बहुराष्ट्रीय कंपनियां पूरे समाज को एक बाजार में तब्दील करती जा रही हैं।

इसका असर यह हो रहा है कि ज्यादातर लोग धरती की हिफाजत के बजाय, उसको उजाड़ने में लगे हैं। इंसान से लेकर संस्कृति, पर्व और चिकित्सा यानी सब कुछ एक बाजार में तबदील हो चुका है। समाज का हर छोटा-बड़ा तबका इस कथित विकास की दौड़ में शामिल हो चुका है, मगर किसी का पर्यावरण की रक्षा की तरफ ध्यान नहीं है। जो पर्यावरण की तरफ अपना ध्यान केंद्रित करते हैं, उन्हें विकास विरोधी या गरीब विरोधी बता कर हाशिये पर धकेलने की मुहिम चलाई जा रही है। ऐसे में सोचा जा सकता है कि आने वाला वक्त कितना चुनौतीपूर्ण होगा? वर्तमान में पर्यावरणीय मापदंडों और विकास के मानकों को संतुलित करने की बहुत जरूरत है। बिना संतुलन बनाए और इस दिशा में जनजागृति फैलाए, न तो हम आने वाले तमाम खतरों से बच पाएंगे और न ही निरापद विकास कर पाएंगे। दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान में अधिक धूम्रपान से ऐसे लोग भी श्वास और आंख की बीमारियों का शिकार हो रहे हैं, जो इस लत से दूर हैं।

धूम्रपान अनपढ़ या कम पढ़े-लिखे ही नहीं कर रहे, बल्कि पढ़े-लिखे लोग भी इस लत के आदी हैं। पर्यावरणीय जागरूकता का यह हाल है। जो लोग इस दिशा में कुछ सार्थक कार्य जैसे जागरूकता और शिक्षण कर रहे हैं, उन्हें प्रोत्साहन देने के बजाय हतोत्साहित किया जाता है। इसलिए यह समस्या दिनोंदिन गंभीर होती जा रही है।

सरकार वर्षों से पर्यावरण सुधार की दिशा में संयुक्त राष्ट्र के साथ मिल कर कई स्तरों पर कार्य कर रही है। अरबों रुपए अब तक इस मद में खर्च किए जा चुके हैं, लेकिन जन सहयोग न मिलने और पैसे का दुरुपयोग होने के कारण इस दिशा में ऐसा कुछ भी हासिल नहीं हो सका है, जिससे सुरक्षित जीवन को लेकर भरोसा कायम हो सके।

भारत सहित पूरी दुनिया में विकास के नाम पर विस्थापन, उजाड़ और पर्यावरण विध्वंस का दौर चल रहा है। जो इस दौर में शामिल हैं, वे 'बुद्धिमान' और 'चतुर' माने जा रहे हैं और जो इस विनाश लीला का विरोध कर आंदोलन के जरिए लोगों को जागरूक करना चाहते हैं, उन्हें विकास विरोधी घोषित कर उनकी पहल पर ही सवाल उठाया जा रहा है। मतलब एक तरफ बाजारवादी शक्तियां हैं, जिनके पास अकूत धन है।

वे पर्यावरण का विनाश करने में लगीं हैं। दूसरी ओर कुदरत की हिफाजत करने वाले लोग भी हैं, जो इस विनाश को रोकने की कोशिश में लगे हैं। देखना यह है कि विनाशकारी जीतता है या विनाश को रोकने वाला। यदि आपदाओं से सबक लेकर अतिक्रमण और वनों के कटान जैसी कवायदों को बंद कर दिया जाए, तो जलवायु परिवर्तन के प्रकोप से धीरे-धीरे निजात मिल सकती है।

इंसान को महत्त्वाकांक्षी होना चाहिए या नहीं? जानिए हमारे जीवन के लिए क्या है जरूरी

महत्त्वाकांक्षा के सकारात्मक पहलू भी होते हैं। एक मनोवैज्ञानिक इंजन, जो व्यक्तियों को जीवित रहने के दायरे से परे सृजन, विघटन और परिवर्तन के क्षेत्र में ले जाता है। महत्त्वाकांक्षा यथास्थिति को स्वीकार करने से इनकार करना है और व्यक्तिगत व सामाजिक सीमाओं को बढ़ाने का आंतरिक दबाव है। यह जोखिम लेने, दृढ़ता और इस जिद्दी विश्वास के लिए उत्प्रेरक के रूप में उद्यमशीलता को रेखांकित करती है कि एक बेहतर तरीका न केवल संभव है, बल्कि आवश्यक भी है। इसके बिना नवाचार रुक जाता है।

विज्ञान से लेकर कला और राजनीति तक सभी क्षेत्रों में इतिहास की सफलताएं शायद ही कभी आत्मसंतुष्टि का परिणाम हैं- वे बेचैन, महत्त्वाकांक्षी दिमागों के अवशेष हैं। महत्त्वाकांक्षी लोगों के बारे में कई बार नकारात्मक धारणाएं फैलाई जाती हैं, लेकिन दुनिया काफी हद तक महत्त्वाकांक्षी लोगों का उत्पाद है। इसे वे लोग आकार देते हैं जो शांत नहीं बैठ सकते। वे लोग भी, जो विरासत में मिली सीमाओं से संतुष्ट नहीं थे और अपने विचारों पर काम करने के लिए खुद को बाध्य महसूस करते थे, चाहे वे कितने भी कठिन या अलोकप्रिय क्यों न हों।

प्रगति कभी भी समान रूप से वितरित नहीं हुई है। यह उन व्यक्तियों और समूहों द्वारा संचालित की गई है जो अपनी छाप छोड़ने की अत्यधिक इच्छा रखते हैं। महत्त्वाकांक्षा असंतोष को गति में और कल्पना को बुनियादी ढांचे में बदल देती है। यह न केवल यह बताती है कि कौन नेतृत्व या आविष्कार करने के लिए उठता है, बल्कि यह भी बताती है कि सभ्यताएं क्यों फैलती हैं, प्रौद्योगिकियां आगे बढ़ती हैं और संस्कृतियां विकसित होती हैं।

एक विद्वान ने कहा है, 'महत्त्वाकांक्षा के बगैर बुद्धिमत्ता पंखों के बिना पक्षी के समान है।' यह महत्त्वाकांक्षा का एक उजला पक्ष हो सकता है, लेकिन तब तक, जब वह संयमित और नियंत्रित हो। बहुत अधिक होने पर महत्त्वाकांक्षा जुनून में बदल सकती है। विनम्रता, सहयोग और यहां तक कि नैतिक निर्णयों को भी पीछे छोड़ सकती है।

जब महत्त्वाकांक्षा असीमित हो जाती है, तो यह व्यक्ति की सेवा करना बंद कर देती है और त्याग की मांग करने लगती है- रिश्तों, मूल्यों और दीर्घकालिक कल्याण की। यह आत्म-धारणा को विकृत कर सकती है और खुद को शून्य-योग प्रतियोगिता में अकेले नायक के रूप में देखने के लिए प्रोत्साहित करती है। अनियंत्रित महत्त्वाकांक्षा अक्सर लालच में बदल जाती है। न केवल सफल होने की, बल्कि हावी होने की एक अतृप्त भूख।

लालच एक उत्तेजक मंत्र तो हो सकता है, लेकिन अंधाधुंध रूप से लागू होने पर इसे एक खतरनाक दर्शन में बदलते देर नहीं लगती। लालच सामाजिक अनुबंधों को नष्ट कर देता है और शोषण को उचित ठहराता है, अनैतिक संक्षिप्त रास्तों को सहन करता है, लोगों को लक्ष्य प्राप्ति के साधन के रूप में देखता है। बेलगाम महत्त्वाकांक्षा अर्श से फर्श पर ला सकती है।

स्वस्थ महत्त्वाकांक्षा उद्देश्य पर आधारित होती है, आत्म-जागरूकता से संतुलित होती है और सामूहिक सफलता के प्रति प्रतिबद्धता से जुड़ी होती है। यह सभी को ऊपर उठाती है, न कि केवल सबसे तेज गति से ऊपर चढ़ने वाले को। जब 'आगे बढ़ने' की इच्छा 'मिलकर चलने' की प्रवृत्ति से अधिक हो जाती है, तो महत्त्वाकांक्षा सामाजिक सामंजस्य को मटियामेट कर सकती है।

जैसे-जैसे महत्त्वाकांक्षा बढ़ती है, वैसे-वैसे श्रेष्ठता और दूसरों के प्रति उपेक्षा की भावना भी बढ़ती है। इसमें हेरफेर, बदमाशी, सयानेपन या आलोचना को स्वीकार करने से इनकार करने जैसे विषाक्त व्यवहार हो सकते हैं। जब महत्त्वाकांक्षा असामाजिक लक्षणों के साथ जुड़ जाती है, तो यह एक गुण नहीं रह जाती और एक दायित्व बन जाती है- व्यक्ति और उस प्रणाली दोनों के लिए, जिसका वे हिस्सा हैं।

महत्त्वाकांक्षा अक्सर समझौते की मांग करती है, लेकिन जब वे समझौते बलिदान बन जाते हैं, तो परिणाम गंभीर हो सकते हैं। तीव्र व्यावसायिक लक्ष्यों से प्रेरित लोग परिवार, दोस्तों और आत्म-देखभाल की उपेक्षा कर सकते हैं, यह मानते हुए कि सफलता लागतों को उचित ठहराती है। समय के साथ उपेक्षा बढ़ती जाती है, रिश्ते खराब होते हैं, स्वास्थ्य बिगड़ता है, बड़ी उपलब्धियों के बाद भी खालीपन की भावना पैदा हो सकती है।

आमतौर पर बेलगाम महत्त्वाकांक्षाओं को सतही माना जाता है, क्योंकि यह हमेशा परिणाम की तलाश में रहती है और कभी पीछे मुड़कर नहीं देखती। यह याद रखना जरूरी है कि कभी-कभी पर्याप्त लक्ष्य रखना सबसे बुद्धिमानी और सबसे टिकाऊ रणनीति होती है। हम भूल जाते हैं कि महत्त्वाकांक्षा स्वाभाविक रूप से श्रेष्ठ नहीं होती, यह केवल पहले से मौजूद चीजों को बढ़ाती है। सही हाथों में यह नवाचार, सेवा और प्रगति को उत्प्रेरित करती है।

इसमें कोई दोराय नहीं कि यह किसी व्यक्ति के भीतर की क्षमताओं में उभार लाकर उसे अपने सामान्य और यथास्थिति का शिकार हो गए जीवन में कोई नया मुकाम बनाने को प्रेरित कर सकता है, लेकिन यह तभी तक संभव है, जब तक अपनी इस आकांक्षा को मानवीय और संवेदनशीलता की कसौटी पर कसते हुए अपनी उन्नति की राह पर आगे बढ़ाया जाए। यह भले लोगों के लिए बहुत मुश्किल नहीं है।

मगर गलत लोगों में यह अहंकार, शोषण और आखिरकार पतन को बढ़ावा देती है। भविष्य उन लोगों का नहीं होगा जो सबसे तेज चढ़ते हैं, बल्कि उनका होगा जो उद्देश्य के साथ चढ़ते हैं और दूसरों को अपने साथ लाते हैं। हेनरी वड्र्सवर्थ के शब्दों में, 'अधिकांश लोग छोटी-छोटी चीजों में भी सफल हो जाते, अगर वे बड़ी महत्त्वाकांक्षाओं से ग्रसित न होते।'

पंचग्रास में समाहित है संपूर्ण चराचर जगत का कल्याण

पूर्वजों के पुण्य स्मरण की परंपरा भले ही हमारे यहां श्राद्ध पक्ष के सोलह श्राद्धों के माध्यम से आदि काल से चली आ रही हो पर दुनिया के लगभग सभी धर्मावलंबियों और देशों में किसी ना किसी रुप में पूर्वजों के पुण्यस्मरण की परंपरा अनवरत काल से चली आ रही है। हालांकि हमारे देश के ही कुछ प्रतिक्रियावादी लोग श्राद्ध और श्राद्ध कर्म को लेकर मखौल उड़ाने में किसी तरह की कोई कमी नहीं छोड़ते पर वह यह भूल जाते हैं कि धरती के साक्षात् देवता हमारे जन्मदाता माता-पिता है। यह साफ हो जाना चाहिए कि माता-पिता के अस्तित्व को लेकर कोई किसी तरह का प्रश्न चिन्ह नहीं उठा सकता। उनके अस्तित्व को नकारा नहीं जा सकता। माता-पिता की यह परंपरा पीढ़ी दर पीढ़ी चली आ रही है और पीढ़ी दर पीढ़ी उनके स्मरण का हमारा दायित्व हो जाता है। पितृपक्ष और मातृपक्ष दोनों ही पीढ़ियों के स्मरण और श्रद्धा या यों कहे कि श्राद्ध स्वरुप भोजन, वस्त्र, जल आदि आदि पत्र पुष्प के माध्यम से सम्मान स्वरुप स्मरण किया जाता है। श्राद्ध स्वरुप ब्राम्हणों को भोजन कराने और इसी तरह की अन्य व्यवस्थाओं के साथ जुड़ी पंच ग्रास की परंपरा को आलोचकों को ज्ञान ही नहीं होता। श्राद्ध निमित्त ब्राह्मण भोजन से पहले पंच ग्रास का विधान है। पंचग्रास के पीछे के रहस्य को समझना भी आवश्यक हो जाता है। पंचग्रास में गोग्रास, श्वान ग्रास, कोएं को ग्रास, चिंटी आदि को ग्रास और अभ्यागत ग्रास इस तरह से पंच ग्रास का विधान है। अब इसी से समझ सकते हैं कि इस पंच ग्रास में प्रकृति का कोई पक्ष शेष नहीं रह जाता है। गो ग्रास में पशुधन आ जाता है तो श्वान ग्रास में पशु, कोएं के ग्रास से पक्षिगण, चिंटी पतंगा के ग्रास से चिंटी आदि जीव और अंतिम अभ्यागत ग्रास में भिखारी आदि आ जाते हैं। ब्राह्मण भोजन को ढकोसला कह कर समझने वालों को श्राद्ध के मूल की सभी विधानों को समझना होगा। एक बात और साफ हो जानी चाहिए कि पंच ग्रास से अर्थ मात्र औपचारिकता से नहीं लिया जाना चाहिए।

हमारी शाश्वत परंपरा में प्रत्येक व्यक्ति पर तीन ऋण होते हैं और उनमें से पहला ऋण देव ऋण है तो दूसरा ऋषि ऋण और तीसरा ऋण पितृ ऋण है। प्रत्येक जन्म लेने वाले व्यक्ति को इन तीनों ऋणों से उऋण होने की शिक्षा दी जाती है तो यह उसका दायित्व भी हो जाता है। देव ऋण में सृष्टि के नियंता का स्मरण और उसके प्रति आभार प्रकट करना है। इसके लिए भजन-पूजन, स्मरण, सदाचरण आदि की बात है। जो अपने आप को नास्तिक कहते हैं और किसी शक्ति में विश्वास नहीं करते तो भी उन्हें प्रकृति पर तो विश्वास करना ही होगा। प्रकृति को विकृति से बचाना हमारी जिम्मेदारी होती है और प्रकृति व मानवमात्र के कल्याण की बात करना ही देव ऋण से उऋण होने का एक तरीका है। इसी तरह से हमको शिक्षा प्रदान करने वाले गुरु परंपरा का मान सम्मान और ज्ञान की इस परंपरा को अगली पीढ़ी तक पहुंचाना ही गुरु ऋण से उऋण होने का एक तरीका हो सकता है। जहां तक पितृ ऋण से उऋण होने का प्रश्न है तो इससे उऋण होने का भी आसान रास्ता बताया गया है और वह बच्चे होते ही पूरी होना शुरु हो जाती है और इन बच्चों की शिक्षा और संस्कारित करना और शादी विवाह आदि जिम्मेदारियों का निर्वहन तो आता ही है। यही कारण है कि पौत्र-प्रपौत्र या नाती-नातियों को देखना और पौत्र होने पर सोने की सीढ़ी चढ़ना आदि इसी और इषारा करता है कि हमारे कुल परंपरा में पूर्वजों के श्राद्ध यानी स्मरण करने वाली पीढ़ी हो गई है। कभी मृत्यु के बाद बारह दिन के संस्कारों को देखने का अवसर मिले या फिर बारहवें दिन की सपीण्डी क्रिया देखने को मिले तो कई बातें साफ हो जाती है। सपीण्डी में तीन पितृ पक्ष और तीन मातृ पक्ष के पूर्वजों के स्मरण, पूजा आदि के बाद जब सभी को एकाकार कर दिया जाता है तो उसे सपीण्डी कहा जाता है। हमारी परंपरा यहां तक ही सीमित नहीं रहती। विधान तो यहां तक है कि किसी भी यजन कार्य में पितृ पूजा अवश्य होती है और दोनों ही पक्षों की तीन-तीन पीढ़ी यहां तक कि विवाह संस्कार में भी तीन तीन पीढ़ियों का पुण्य स्मरण किया जाता है।

हमारी शाश्वत परंपरा में व महाभारत व अन्य पौराणिक ग्रन्थों में उल्लेख आता है कि महर्षि अत्रि ने सबसे पहले निमि को श्राद्ध का उपदेश दिया और महर्षि निमि ने सबसे पहले अपने पूर्वजों के निमित्त श्राद्ध कर्म किया। श्राद्ध कर्म में अग्नि को भी खास महत्व दिया गया है और यह माना जाता है कि अग्नि देव के माध्यम से श्राद्ध पूर्वजों को अर्पित किया जाता है। हमारे यहां पूर्वजों के स्मरण या श्राद्ध के खासतौर से दो अवसर होते हैं। पहला अवसर तो जिस दिन दाग तिथि यानि अंतिम संस्कार या यों कहें कि देहावसान की तिथि को प्रतिवर्ष श्राद्ध का विधान है तो दूसरा महालय श्राद्ध यानि की कन्यागत सूर्य के समय के पन्द्रह दिवस। भाद्रपद मास की पूर्णिमा से लेकर आश्विन कृष्ण पक्ष की अमावस्या के कुल सोलह दिन सोलह श्राद्ध के दिन होते हैं। स्वर्गागमन किसी भी पक्ष में हो पर कन्यागत श्राद्ध जिसे हम बोलचाल की भाषा में कनागत कहते है उन सोलह दिनों की तिथि के अनुसार श्राद्ध निकाला जाता है। जैसे पूर्णिमा को पूर्णिमा तो प्रतिपदा का प्रतिपदा को और इसी तरह से संबंधित तिथि को। यहां एक बात और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। शास्त्राचार व लोकाचार में एक बात पर अवश्य जोर दिया गया है कि हमारे पूर्वज श्राद्ध के दिन पुत्री पक्ष की उपस्थिति से अधिक प्रसन्न होते हैं। इसमें श्राद्ध भोजन कि निमित्त या अवसर पर दोयते-दोयती, भांजें-भांजी को भोजन कराना अत्यधिक फलदायक बताया गया है। परिवार की पुत्रियों का इस अवसर पर स्वागत और भी अधिक प्रसंसनीय हो जाता है। स्वागत का अर्थ उनकी उपस्थिति से हो जाता है। पुत्रि पक्ष में बहन, बुआ, बेटियां आदि आ जाती है। अब इसे सामाजिक और वैज्ञानिक तरीके से भी समझने का प्रयास करें तो श्राद्ध कर्म परिवार के जुड़ाव और कुल-कुटुंब में प्रेमाचार-भाईचारा बढ़ाने का अवसर है। इससे हमारे पितृगण प्रसन्न होते हैं। अब इसी से समझा जा सकता है कि श्राद्ध के माध्यम से परिवार को एकजुट होने, एक दूसरे से मिलने-मिलाने और प्रेम और स्नेह को बढ़ाने का अवसर मिल जाता है। यह सब में इसलिए लिख रहा हूं कि श्राद्ध के विधान को लेकर तो मर्मज्ञ विस्तार से चर्चा कर ही लेते हैं। यह भी सब जानते हैं कि श्राद्ध को जहां तक संभव हो विसम संख्या में भोजन कराना चाहिए। योग्यता एक अन्य शर्त कही जा सकती है तो शुद्धता भी आवश्यक होती है। इस सबके साथ ही विधान की लंबी फेहरिस्त हो जाती है और धर्म के आलोचक उसको लेकर टीका-टिप्पणी करते ही रहते है। पर श्राद्ध कर्म से दो बातें साफ हो जानी चाहिए कि यह केवल और केवल हमारे यहां ही होता हो तो ऐसा है नहीं चीन में छिंग-मिंग, जापान में ओबोन, फ्रांस में ला टेसेंट, योरापीय देषों में आल सेंट्स डे, बौद्धों में घोस्ट फेस्टिवल आदि पूर्वजों के स्मरण और पूजन आदि के अवसर है।

इसलिए यह साफ हो जाना चाहिए कि श्राद्ध, श्राद्ध पक्ष और श्राद्ध कर्म के पीछे हमारे पूर्वजों की गहन सोच है। यह मात्र औपचारिकता या ब्राह्मण भोजन तक सीमित नहीं है तो भोजन कराने से पूर्वजों तक भोजन पहुंचने को लेकर मजाक उड़ाने वालों को बहुत कुछ समझने और उसके मूल को समझना होगा। यदि यह ढ़कोसला होता तो चीन में छिंग-मिंग, जापान में ओबोन, बौद्ध देशों में घूस्ट फेस्टिवल या योरोपीय देशों में टेसेंट या आल सेंट्स डे आदि नहीं होते। इन सबसे भी इतर हमें हमारे जन्मदाताओं के प्रति कृतज्ञता तो व्यक्त करना हमारा दायित्व हो जाता है और यही तो हम श्राद्ध कर्म के माध्यम से करते हैं। बस श्राद्ध में श्रृद्धा का जो महत्व है उसकी पालना हमें करनी ही होगी।

शासन के मंशानुरूप जनपद के तहसीलों में आयोजित हुआ सम्पूर्ण समाधान दिवस

अधिशासी अभियंता विद्युत के अनुपस्थिति पर कड़ी नाराजगी जताते हुए वेतन रोकने के साथ कारण बताओ नोटिस जारी-डीएम

राजस्व व जमीन प्रकरण शिकायत के निस्तारण हेतु राजस्व व पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर स्थलीय मुआयना कर तैयार करें स्पॉट नोट-पुलिस अधीक्षक

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जन शिकायतो के त्वरित निस्तारण एवं कार्यवाही के दृष्टिगत "सम्पूर्ण समाधान दिवस" जनपद के सभी तहसीलों में आयोजित किया गया। तहसील ज्ञानपुर में जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरूद्ध त्रिपाठी, विधायक औराई दीनानाथ भाष्कर, विधायक ज्ञानपुर विपुल दूबे, जिलाधिकारी शैलेष कुमार, पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक व उप जिलाधिकारी भान सिंह, पुलिस क्षेत्राधिकारी, तहसील भदोही में उप जिलाधिकारी अरूण गिरि, पुलिस क्षेत्राधिकारी भदोही, तहसील औराई में उप जिलाधिकारी बरखा सिंह एवं अन्य अधिकारियो द्वारा सम्पूर्ण समाधान दिवस में उपस्थित होकर फरियादियों की समस्याओ को गंभीरता से सुनकर निस्तारण किया गया।

जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने सभी जनपद स्तरीय अधिकारियों को कड़ा निर्देश देते हुए कहा कि शिकायतों को निस्तारण करने हेतु शिकायतकर्ता से बात करें, मौके पर जाये, स्पष्ट रूप से आख्या लिखे, कागजी खानापूर्ति न करें। शिकायतों को पारदर्शी ढंग से गुणवत्तानुरूण निस्तारण कराये। सबसे अधिक शिकायतें विद्युत विभाग, पंचायत विभाग, जल निगम, राजस्व विभाग के है। विद्युत विभाग अधिक शिकायते, शिकायतों का निस्तारण सही ढंग से न क्रियान्वित करने असंतुष्ट फीडबैक खराब होने व बिना बताये तहसील दिवस पर अधिशासी अभियंता विद्युत अनुपस्थित होने पर कड़ी नाराजगी जताते हुए जिलाधिकारी ने वेतन रोकते हुए कारण बताओं नोटिस जारी किया। जल निगम द्वारा हर घर जल नल योजना से पानी की आपूर्ति सही ढंग से न कराने व सड़के खराब होने व समय पर मरम्मत सही ढंग से न करने पर अधिशासी अभियंता जल निगम को जिलाधिकारी ने कड़ी फटकार लगायी और कार्य में सुधार लाने का निर्देश दिया। अन्यथा सख्त कार्यवाही की जायेगी।

तहसील ज्ञानपुर सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक द्वारा सुनवाई के दौरान प्रार्थी अमृत लाल अग्रहरि पत्रकार का पड़ोसी विपक्षी शिवकुमार, संदीप कुमार, सचिन उर्फ बन्टी पुत्रगण स्वर्गीय छेदीलाल अग्रहरि के बीच रास्ते पर अतिक्रमण, दिनेश कुमार पाण्डेय ने विपक्षी कृष्ण कुमार उपाध्याय पुत्र बृजेश कुमार उपाध्याय द्वारा सरकारी नाली में जबरदस्ती अतिक्रमण करके निर्माण, अशोक कुमार तिवारी के द्वारा शिकायत सड़क में गई भूमि के अनुदान मुआवजा के सम्बन्ध में सहित अन्य फरियादियों द्वारा दिये गये आवेदनों पर गम्भीरता से सुनते हुए निस्तारण का निर्देश दिया। दूर-दराज से आये फरियादियों के कुल 38 प्रार्थना पत्रों में से 07 मामलों में त्वरित निस्तारण किये गये, शेष प्रकरण में राजस्व व पुलिस की संयुक्त टीम बनाते हुए समय-सीमा में समाधान करने का निर्देश दिया।

सभी तहसीलों में जिलाधिकारी के निर्देश के क्रम में सुशासन आधारित लगायें गये विभिन्न कैम्पो- बाल विकास पुष्टाहार विभाग, आयुष्मान गोल्डेन कार्ड, परिवार नियोजन, समाज कल्याण विभाग

द्वारा वृद्धावस्था पेंशन, महिला कल्याण विभाग द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं के उन्नयन हेतु विविध योजना मिशन शक्ति, राजस्व विभाग हेल्प डेस्क, जागरूकता हेतु लगाये गये। जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने तहसील ज्ञानपुर के संपूर्ण समाधान दिवस में फरियादियों की शिकायतों को गंभीरता से सुनकर त्वरित निस्तारण करते हुए सुशासन को स्थापित किया, साथ ही आईजीआरएस में प्राप्त लोक शिकायतों का निस्तारण, ऑनलाईन "सर्विस डिलीवरी" की सेवाओं में वृद्धि किया गया।

जिलाधिकारी ने फरियादियों की शिकायतों को गम्भीरता से सुनते हुए गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध समाधान करने का निर्देश दिया। कानूनगो व लेखपाल को निर्देशित किया कि जमीन सम्बन्धी मामले में पुलिस टीम के साथ समन्वय व सहयोग बनाते हुए निस्तारण सुनिश्चित कराये। उन्होंने उपस्थित सभी अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि कुछ ऐसे मामले होते है जो दो या तीन विभागों के मध्य संयुक्त रहता है। सम्पूर्ण समाधान दिवस एक ऐसा सुअवसर होता है जहा पर एक ही दिन, एक ही निश्चित समय पर सभी जनपदीय अधिकारी उपस्थित होते है। अर्न्तविभागीय समन्वय स्थापित करते हुयें ऐसे सभी मामलों का निस्तारण सुनिश्चित किया जाय। उन्होने अधिकारियों को निर्देशित करते हुये कहा कि प्रदेश सरकार की मंशानुरूप जनता जनार्दन को अपने तहसील स्तर पर ही उनकी शिकायतों का निस्तारण करना सुनिश्चित किया जाएं। उन्होंने कहा कि संपूर्ण समाधान दिवस द्वारा शासन त्वरित व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए प्रतिबद्ध है। तहसील दिवस में आए जनता की समस्याओं का पुलिस व राजस्व अधिकारी संयुक्त रूप से स्थलीय निरीक्षण करते हुए न्यायोचित निस्तारण कराना सुनिश्चित करें।

जिलाधिकारी ने कहा कि सम्पूर्ण समाधान दिवस पर प्राप्त प्रार्थना पत्रो को अधिकारी गुणवत्तापूर्ण ढंग से तीन दिन के अन्दर निस्तारण कराना सुनिश्चित कराये। उन्होंने जनपद में शत-प्रतिशत सुनिश्चित कराने हेतु सभी को प्रोत्साहित किया। गुणवत्तापूर्ण निस्तारण न पाये जाने पर सम्बन्धित अधिकारी/कर्मचारी के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जायेगी। जिलाधिकारी ने उपस्थित सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन के मंशानुरूप सुशासन को निर्धारित समय सीमा में जनपदवासियों को अच्छादित किया जाय। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ता की बातो को गम्भीरता से अवश्य सुने। उन्होंने कहा कि तहसील स्तर की शिकायतें तहसील स्तर पर ही निस्तारित हो जाये। यदि शिकायते ऊपर के स्तर पर प्राप्त हो रही है तो ये दर्शाता है कि तहसील स्तर पर लापरवाही हुई है। उन्होंने जनपदीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपने ब्लाक या तहसील स्तरीय अधिकारी/ कर्मचारीगण एसडीएम व सीओ की टीम के साथ समन्वय व सहयोग बनाते हुए निस्तारण सुनिश्चित कराये। यदि प्राथमिक स्तर पर ही विकास खण्ड कार्यालय, उप जिलाधिकारी कार्यालय व विभागाध्यक्ष द्वारा गुणवत्ता व संतुष्टिपरक समय-सीमा में शिकायतों का निस्तारण कर लिया जाय तो फरियादियों को जिलाधिकारी, मण्डलायुक्त व सीएम पोर्टल पर शिकायत करने की स्थिति ही नही आयेगी।

दहेज की मांग को लेकर विवाहित को प्रताड़ित करने व हत्या करने का आरोपी गिरफ्तार

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। थाना भदोही क्षेत्र अंतर्गत ग्राम काजीपुर में आरोपी ससुरालीजनों द्वारा दहेज की मांग को लेकर विवाहिता को प्रताड़ित करने व हत्या के नियत से छत से फेंकने के कारण दौराने ईलाज मृत्यु हो जाने के संबंध में प्राप्त प्रार्थना पत्र के आधार पर तत्समय ही आरोपी ससुरालीजनों के विरुद्ध थाना ज्ञानपुर पर मु0अ0सं0-399/2025 धारा- 85, 80(2), बी0एन0एस0 व 3/4 डीपी एक्ट का अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही प्रचलित की गई।

अभिमन्यु मांगलिक, पुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा महिला सम्बन्धित अपराध में त्वरित कार्यवाही एवं पंजीकृत अभियोग से सम्बंधित वांछित अभियुक्तों की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु निर्देश के क्रम में आज दिनांक-08.09.2025 को थाना स्थानीय पुलिस द्वारा मुखबिरी सूचना के आधार पर पंजीकृत अभियोग से सम्बन्धित वांछित/विवाहिता के पति मु0 अमन पुत्र हलीम निवासी काजीपुर थाना व जनपद भदोही उम्र करीब 22 वर्ष को बड़ी मस्जिद के पास से गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही के उपरांत चालान सम्बंधित न्यायालय किया गया।

जिला आयुष समिति (शासी निकाय) की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई सम्पन्न

ज्वाइंट टीम बनाकर सभी पंजीकृत आयुर्वेदिक चिकित्सालयों का निरीक्षण कर एक सप्ताह में जॉच रिपोर्ट उपलब्ध कराने का दिया निर्देश - डीएम

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जिला आयुष समिति (शासी निकाय) की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न हुई। इस अवसर पर आयुर्वेदिक चिकित्साधिकारी ने बताया कि जनपद में कुल 26 आयुर्वेदिक चिकित्सालय है। जिसमें 09 आयुष्मान आरोग्य मन्दिर संचालित है। चिकित्सालयों के भवन की स्थिति में सरकारी भवन में 15, पंचायत भवन में संचालित 05, निःशुल्क दान के भवन में संचालित 04, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में संचालित 01, किराये पर 01 में है। 04 राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों बयॉव, मोंढ़, लक्ष्मणपट्टी, तिलंगा का निर्माण कार्य चल रहा है। जिला पर जिलाधिकारी ने निर्माण कार्य की जॉच के लिए टीम गठित करने का निर्देश मुख्य विकास अधिकारी को दिया। साथ ही 01 राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय उगापुर में भूमि उपलब्ध नही है के सम्बन्ध में जिलाधिकारी ने सम्बन्धित आयुर्वेदिक चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया उप जिलाधिकारी से सम्पर्क कर भूमि का चिन्हिकरण कराना सुनिश्चित कराये।

समीक्षा के दौरान राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय पाली, बरवां, पल्हैया, सौनैचा में शौचालय नही है जिस पर जिलाधिकारी ने जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देश दिया कि ग्राम प्रधानों/सचिवो के माध्यम से शौचालय का निर्माण कराया जाना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने

आयुर्वेदिक चिकित्साधिकारी को निर्देश दिया कि जनपद में 26 आयुर्वेदिक चिकित्सालय का अच्छी क्वालिटी में फोटोग्राफ्स व डाक्यूमेंट अगली बैठक में उपलब्ध करायेगें। मुख्य चिकित्साधिकारी ने बताया कि जनपद में पंजीकृत आयुर्वेदिक अस्पताल में आपरेशन आदि का कार्य कराया जा रहा है। जिस पर जिलाधिकारी ने आयुर्वेदिक चिकित्साधिकारी को निर्देश दिया कि ज्वाइंट टीम बनाकर सभी पंजीकृत आयुर्वेदिक चिकित्सालयों का निरीक्षण जॉच कर एक सप्ताह में जॉच रिपोर्ट उपलब्ध कराने का हिदायत दिया। जिलाधिकारी ने सभी आयुर्वेदिक चिकित्साधिकारी व होम्योपैथ चिकित्साधिकारी को निर्देश दिया अपने-अपने दायित्वों का बखूनी निर्वहन करें। अधिक से अधिक अपने-अपने अस्पतालों में ओपीडी संचालित कराये।

बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी बाल गोबिन्द शुक्ल, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 संतोष कुमार चक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला पंचायतराज अधिकारी, डीसी मनरेगा राजाराम, एवं सम्बन्धित चिकित्साधिकारी उपस्थित रहे।

जिपं अध्यक्ष, विधायक व डीएम, पुलिस अधीक्षक द्वारा जनपद में 11 चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की नव चयनित कनिष्ठ लिपिक को नियुक्ति पत्र किया वितरण

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत चयनित 1112 कनिष्ठ सहायक एवं 22 एक्सरे टेक्नीशियन की नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा किया गया, इसी क्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी, विधायक औराई दीनानाथ भास्कर, विधायक ज्ञानपुर विपुल दुबे, जिलाधिकारी शैलेष कुमार, पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक, मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविन्द शुक्ल की तहसील ज्ञानपुर के सभागार में गरिमामय उपस्थिति में जनपद भदोही में 11 चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की नव चयनित कनिष्ठ लिपिक को नियुक्ति पत्र वितरण किया गया, एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा मुख्यमंत्री जी का लाइव प्रसारण देखा गया।

जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरूद्ध त्रिपाठी ने कहा कि अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों के बीच आप लोगों को नियुक्ति पत्र दिया गया, आप लोग सौभाग्यशाली है। आप लोगों का यह सर्वणीय अवसर है। जहॉ भी कार्य करें पूरे मनोयोग से करें।

विधायक ज्ञानपुर विपुल दूबे ने कहा कि जो भी होनकार अभ्यर्थी जिले में चयनित हुए है, उन अभ्यर्थियों को बधाई दी। उन्होंने

कहा कि मन लगाकर कार्य करें, आमजन मानस की सेवा करें, और सबकी हित की रक्षा करें।

विधायक औराई दीनानाथ भाष्कर ने कहा कि सभी चयनित अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए कहा कि आप सभी अपने कर्तव्यों का पालन करेंगें। स्वास्थ्य विभाग आमजनमानस से जुड़ा हुआ विभाग है। उनकी समस्याओं का समाधान तत्परता से करेंगे।

इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के जनपद भदोही में 11 नवचयनित अभ्यर्थियों में अभिषेक सिंह, आलोक कुमार यादव, अतुल कुमार, बनवारी लाल दुबे, जय प्रकाश, मिथलेश कुमार सिंह, पवन कुमार पांडे, प्रदीप कुमार बिंद, रामपति पाल, सुमित राजपूत, विभव पाल को औपचारिक रूप से नियुक्ति पत्र सौंपे गए। जिलाधिकारी ने अपने संबोधन में नवचयनित कर्मियों को शुभकामनाएं दीं और उन्हें कर्तव्यनिष्ठा, ईमानदारी तथा समर्पण भाव से कार्य करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि यह नियुक्तियाँ संस्थान की कार्यक्षमता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं, कहा कि नई प्रतिभाओं के जुड़ने से संस्था को नई ऊर्जा और दृष्टिकोण प्राप्त होगा।

इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों ने भी नव चयनित कनिष्ठ सहायकों को बधाई देते हुए कहा कि आप लोग कर्तव्य निष्ठा, ईमानदारी भाव से सेवा दें। जिससे कि जनपद का विकास हो सके।

मीडिया कार्यशाला में 'डिजिटल प्लेटफार्म' विषय के मुख्य वक्ता होंगे संजय मिश्रा

पालघर में 09 सितंबर को आयोजित होगी आधुनिक पत्रकारिता कार्यशाला

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जनपद के संजय मिश्रा को महाराष्ट्र के पालघर जिले में आधुनिक पत्रकारिता पर आयोजित कार्यशाला में प्रमुख वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया है। मिश्रा डिजिटल मीडिया विषय के प्रमुख वक्ता होंगे। उन्होंने महाराष्ट्र की डिजिटल मीडिया में बेहद कम समय में बड़ा नाम किया है।

आयोजन कोकण संभागीय सूचना कार्यालय, पालघर जिला सूचना कार्यालय के साथ कोकण संभागीय मान्यता समिति के संयुक्त तत्वावधान में 09 सितंबर 2025 को पालघर में आयोजित होगा। कार्यशाला का आयोजन जननायक बिरसा मुंडा सभागृह में सुबह 10:30 बजे से होगा। इस अवसर पर प्रमुख मार्गदर्शकों और वक्ताओं की उपस्थिति में पत्रकारिता के विभिन्न आयामों पर चर्चा होगी। आधुनिक पत्रकारिता कार्यशाला का आयोजन

पत्रकारों को डिजिटल युग की चुनौतियों और अवसरों से अवगत कराने के उद्देश्य से आयोजित की जा रही है।

कार्यशाला में संपादक संजय मिश्रा, डिजिटल मीडिया के बदलते परिदृश्य पर प्रकाश डालेंगे। भदोही के अभोली विकास खंड के सरायभावसिंह गांव निवासी फूलचंद मिश्रा के बेटे संजय मिश्रा ने महाराष्ट्र की डिजिटल पत्रकारिता में बेहद कम समय में लोकप्रिय स्थान हासिल किया है। तेज गति से सबसे पहले विश्वसनीय खबर उपलब्ध करने वाला उनका मीडिया संस्थान महाराष्ट्र में लाखों व्यूवर्स की पहली पसंद बन गया है।

मुख्य वक्ता संजय मिश्रा ने बताया है कि यह आयोजन मराठी-हिंदी भाषी पत्रकारों के लिए न केवल गर्व का विषय है, बल्कि डिजिटल मीडिया के क्षेत्र में उनके कौशल को और निखारने का एक सुनहरा अवसर भी है। कार्यशाला पत्रकारों को आधुनिक तकनीकों, जैसे कि सोशल मीडिया, एआई, और डिजिटल प्लेटफॉर्म, के उपयोग के साथ-साथ साइबर सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर जागरूक करेगी। कार्यशाला में इंदु रानी जाखड़, जिला अधिकारी, पालघर के साथ अन्य संभागीय अधिकारी और प्रमुख हस्तियां भी शामिल होंगी। कार्यशाला के आयोजक राहुल भालेराव, जिला सूचना अधिकारी, पालघर, ने सभी पत्रकारों और संबंधित व्यक्तियों से इस कार्यशाला में भाग लेने का आग्रह किया है।

संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर तहसील ज्ञानपुर पर मुख्यमंत्री द्वारा लाइव प्रसारण नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम (कनिष्ठ सहायक एक्स रेटेक्नीशियन) में जनपद के विधायकगण , जनपद के सम्मानित प्रतिनिधियों के साथ श्री शैलेश कुमार जिलाधिकारी भदोही व श्री अभिमन्यु मांगलिक पुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा प्रतिभाग किया गया। कार्यक्रम के दौरान जनप्रतिनिधियों के उपस्थिति में जनपद के चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरण किया गया।

आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु प्रचार वाहन को जनपद न्यायाधीश ने दिखायी हरी झंडी

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली व उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देशानुसार श्री अखिलेश दूबे, जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष , जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, भदोही के कुशल मार्गदर्शन में आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत 13.09.2025 को आयोजित की जा रही है। जिसके परिप्रेक्ष्य जनपद न्यायाधीश के द्वारा में आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु प्रचार वाहन को दोपहर 01:30 बजे हरी झण्डी दिखाकर जनपद न्यायालय परिसर सरतहों ज्ञानपुर से रवाना की गयी। प्रचार वाहन के रवानगी के दौरान श्रीमती पुष्पा सिंह, अपर जिला जज, प्रथम/नोडल राष्ट्रीय लोक अदालत, श्री आनन्द कुमार मिश्रा, मुख्य न्यायिक मजि0, श्रीमती तरूणिमा पाण्डेय, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भदोही, जनपद न्यायालय के समस्त न्यायिक अधिकारीगण व यातायात प्रभारी भदोही उपस्थित रहे। उक्त प्रचार-प्रसार का उद्देश्य आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत के बारे में जागरूकता फैलाना है, जिससे अधिक से अधिक मामलों का निस्तारण हो सके।

हब फॉर इम्पावरमेंट ऑफ वूमेन योजना' के अन्तर्गत विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। निदेशक महिला कल्याण उ0प्र0 लखनऊ के आदेश के क्रम में जनपद भदोही में शत्रुघ्न कन्नौजिया जिला प्रोबेशन अधिकारी के आदेशानुसार 'संकल्पः हब फॉर इम्पावरमेंट ऑफ वूमेन योजना' के अन्तर्गत विकास खण्ड सुरियावां के अन्तर्गत स्वामी विवेकानन्द इण्टर कालेज, छनौरा सुरियावां एवं शहीद ध्रुव बालिका इण्टरमीडिएट कालेज, सुरियावां में विधिक जागरूकता विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान रेशमा भारती ने बाल श्रम निषेध, घरेलू हिंसा को रोकने, दहेज प्रथा को समाप्त करने, बाल विवाह की कुप्रथा को रोकने, पीसीपीएनडीटी अधिनियम के तहत लिंग चयन और बाल लिंगानुपात में गिरावट ;पीसीपीएनडीटी एक्ट एवं महिलाओं का कार्य स्थल पर लैंगिंग उत्पीड़न निवारण, पॉक्सो एक्ट तथा लैंगिक समानता के बारे में बताया गया।

प्रियंका गुप्ता जेण्डर स्पेसलिस्ट द्वारा बालिकाओं को महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला, उ0प्र0 मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (कोविड व सामान्य), पति की मृत्युपरान्त निराश्रित महिला पेंशन, स्पॉन्सरशिप योजना, वन स्टॉप सेन्टर एवं 1098 चाइल्ड हेल्पलाईन के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी। कार्यक्रम में रेशमा भारती, प्रियंका गुप्ता जेण्डर स्पेसलिस्ट, आनन्द कुमार मौर्या, विवेक कुमार गुप्ता तथा काफी संख्या में छात्रायें उपस्थित रहीं।

हिन्दू समाज पार्टी के जिलाध्यक्ष कमल चौहान की हत्या, गोली मारकर हमला

मचा हड़कंप, पत्नी बोली- कई दिनों से मिल रही थीं धमकियां

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के मुरादाबाद में रविवार शाम को एक हत्या से सनसनी फैल गई। बदमाशों ने एक हिंदूवादी नेता की गोली मारकर हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि हमलावरों ने कमल चौहान को उस वक्त गोली मार दी, जब वह स्कूटी से अपने घर लौट रहे थे। कमल चौहान हिन्दू समाज पार्टी के जिला अध्यक्ष थे। पुलिस का कहना है कि मृतक आपराधिक पृष्ठभूमि से जुड़ा था और पश्चिमी यूपी के कई कुख्यात अपराधियों से उसके संबंध रहे हैं। इस मामले में पुलिस ने आरोपियों की तलाश के लिए टीमों का गठन कर तलाश शुरू कर दी है।

मुरादाबाद के कटघर थाना इलाके के करूला क्षेत्र में हुई इस वारदात में मृतक नेता के परिजनों ने स्थानीय नेताओं पर आरोप लगाए हैं। मृतक के खिलाफ कई थानों में केस दर्ज थे। हाल ही में उसका नाम ड्रग्स के धंधे में भी सामने आया था। वारदात के वक्त उसके साथ मौजूद दोस्त ने पुलिस को बताया कि हत्या सनी उर्फ सोनू दिवाकर नाम के युवक ने की है। सोनू दिवाकर पर भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं और पुलिस पहले से ही उसकी तलाश कर रही थी।

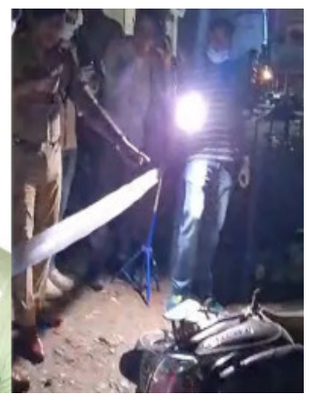

घटना की जानकारी देते हुए मुरादाबाद के एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि स्कूटी से जा रहे कमल चौहान पर बदमाशों ने हमला कर दिया। घायल हालत में उन्हें अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। परिवार वालों ने कुछ लोगों पर हत्या का आरोप लगाया है। उनकी तहरीर पर केस दर्ज कर लिया गया है और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की कई टीमें लगाई गई हैं। जल्द ही आरोपी पकड़ लिए जाएंगे। फिलहाल एसएसपी सतपाल अंतिल ने सोनू दिवाकर और उसके साथियों की गिरफ्तारी के लिए तीन टीमों का गठन किया है। उधर, मृतक की पत्नी और परिवार वालों का आरोप है कि कई दिन से उन्हें धमकियां मिल रही थीं। मृतक की पत्नी ने चेतावनी दी है कि अगर कार्रवाई नहीं हुई तो वह आत्महत्या कर लेंगी।

शादीशुदा महिला को प्रेमजाल में फंसाया

धर्म परिवर्तन करवाया, फिर घर से भगाकर किया निकाह

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के नोएडा में एक महिला का, प्रलोभन और धमकी देकर धर्म परिवर्तन कराने के आरोप में पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई महिला के पति शिवम शर्मा द्वारा उच्च न्यायालय में दायर एक रिट याचिका के बाद की गई, जिसमें उसने अपनी गुमशुदा पत्नी की तलाश किए जाने का अनुरोध किया था। इसके बाद मामले की जांच गढ़ी चौखंडी चौकी के प्रभारी योगेंद्र सिंह द्वारा की जा रही थी।

पुलिस ने बताया कि गावं गढ़ी चौखंडी निवासी शर्मा की पत्नी मई में लापता हो गई थी, जिसे बाद में पुलिस ने चेन्नई (तमिलनाडु) से बरामद कर लिया। थाना फेज-तीन के प्रभारी निरीक्षक ध्रुव भूषण दुबे ने बताया, ''महिला ने खुलासा किया कि बहरामपुर गांव में किराए पर रहने वाला बिहार के सिवान का मूल निवासी राजा उर्फ एहसान उसे प्रेमजाल में फंसाकर भगा ले गया था। महिला ने धर्म परिवर्तन कर एक मई 2025 को राजा से निकाह कर लिया।'' उन्होंने कहा, ''राजा, उसके पिता बिस्मिल्लाह मियां, मां अनीशा बेगम और भाई इरशाद ने प्रलोभन और धमकी देकर महिला का धर्म परिवर्तन कराया और निकाह करवाया।

निकाहनामा की छायाप्रति देखने पर यह पाया गया कि महिला के पिता का नाम फर्जी लिखा गया, साथ ही राजा ने अपनी मां को महिला की फूफी और अपने भाई को महिला का भाई बताया था।'' थाना प्रभारी ने बताया कि जांच अधिकारी (उप निरीक्षक) की शिकायत पर राजा, इरशाद, बिस्मिल्लाह, अनीशा बेगम तथा काजी मोहम्मद अजीमुद्दीन के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम 2021 की प्रासंगिक धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

आमजन से व्यवहार ठीक रखें जनसेवक दुर्व्यवहार बर्दाश्त नहीं : सीएम योगी

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'जनता दर्शन' के दौरान राज्य भर से आए लोगों की शिकायतें सुनीं और उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। 'जनता दर्शन' में 50 से अधिक व्यक्ति पहुंचे थे। सहारनपुर से आई महिला ने बताया कि उनके पास राशन कार्ड नहीं है और जब वह राशन लेने जाती हैं तो राशन डीलर अभद्रता करता है। इस पर मुख्यमंत्री ने कार्रवाई के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि हर जनसेवक आमजन से व्यवहार ठीक रखें, किसी भी प्रकार का दुर्व्यवहार बर्दाश्त नहीं होगा। सोमवार को 'जनता दर्शन' में सर्वाधिक मामले जमीनी विवाद से जुड़े आए। प्रयागराज से आए केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवान ने भी जमीन से जुड़े मामले को लेकर मुख्यमंत्री के समक्ष अपनी बात रखी। इस पर मुख्यमंत्री ने स्थानीय प्रशासन को इस प्रकरण के शीघ्र निस्तारण का निर्देश दिया। शामली से भी एक महिला अपनी शिकायत लेकर आयी थी। महिला ने बताया कि उनके पति असम में तैनात हैं। उन्होंने भी बताया कि प्रयागराज में जमीन ली है, लेकिन कब्जा लेने में परेशानी आ रही है।

मुख्यमंत्री योगी ने पत्र लेकर कार्रवाई का निर्देश दिया। 'जनता दर्शन' में दिव्यांग भी पहुंचे थे। गाजीपुर से आये दिव्यांग उधम यादव ने पेंशन बढ़ाने, आयुष्मान कार्ड, हैंडपंप व आवास दिलाने को लेकर मुख्यमंत्री को प्रार्थना पत्र दिया। मुख्यमंत्री ने उनकी समस्या के समाधान और सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिया। उन्होंने उधम यादव को इलेक्ट्रॉनिक वॉकिंग स्टिक भी प्रदान की।

धर्मांतरण को लेकर आक्रोशित लोगों ने मौलाना को पीटा, लालच देकर देता था मिशन को अंजाम!

आज़मगढ़ **(एजेंसी)**। धर्मांतरण पर क़ानून बनने के बाद भी आए दिन मामले सामने आ रहे हैं। जहां अभी भी धर्मांतरण का खेल तेज़ी से चल रहा है, जिस पर विराम नहीं लग पा रहा है।

ताजा मामला आज़मगढ़ जिले के कप्तानगंज थाना क्षेत्र के देऊपुर बाजार का है। जहां एक मौलाना पर आरोप है कि बीमारी और कई अन्य प्रलोभन देकर खतना करने के लिए प्रेरित कर रहा था। जहां उसके द्वारा हिंदुओं के बारे में अभद्र खासकर ब्राह्मणों के लिए अशब्दों का प्रयोग किया गया। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ, जब यह मामला सामने आया तो आक्रोशित भीड़ ने उसकी पिटाई करते हुए पुलिस के हवाले कर दिया।

मामले में अतरौलिया थाना क्षेत्र के पुरखीपुर निवासी शुभम पाण्डेय ने कप्तानगंज थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया है कि सीतापुर निवासी सईद द्वारा प्रलोभन देकर धर्म परिवर्तन कराया जा रहा है। इस मामले में एसपी ग्रामीण ने बताया कि थाना कप्तानगंज क्षेत्र से एक सोशल मीडिया के माध्यम से वीडियो संज्ञान में आया, जिसमें धर्मांतरण का मामला प्रतीत हो रहा है। इस वीडियो को तत्काल संज्ञान में लेते हुए जिसकी जांच बुढ़नपुर के क्षेत्राधिकारी तथा थानाध्यक्ष कप्तानगंज के द्वारा की जा रही है। जनपद सीतापुर का रहने वाला अभियुक्त सईद को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। जो भी तथ्य प्रकाश में आएंगे उस अनुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि इस प्रकरण में जो वीडियो आई है, जिसमें मुस्लिम धर्म का मामला प्रतीत हो रहा है। जिसकी गहनता से जांच कर उसके उपरांत कार्रवाई की जायेगी।

बाढ़ पीड़ितों के लिए प्रेमानंद महाराज ने की खास अपील, राहत कार्यों में जुटे संतजन

लखनऊ **(एजेंसी)**। देश के उत्तर और पश्चिमी हिस्सों में बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है। पंजाब में 1, 400 से अधिक गांव जलमग्न हो चुके हैं, किसानों की फसलें नष्ट हो गई हैं और लाखों लोग अपने घरों से विस्थापित हो गए हैं।

यूपी में यमुना नदी का जलस्तर बढ़ने के कारण मथुरा-वृंदावन के आसपास के 45 गांव पूरी तरह टापू में बदल गए हैं। प्रशासन ने इन गांवों और आसपास के इलाकों से 9, 000 से अधिक लोगों को रेस्क्यू कर राहत शिविरों में भेजा।

वृंदावन स्थित राधा हित केलि कुंज आश्रम के प्रेमानंद महाराज ने देश में आई बाढ़ को लेकर कहा कि, 'देशभर में बाढ़ का कहर है और वृंदावन में भी लाखों लोग बिना भोजन, पानी और बिजली के कठिन हालात में जीवन यापन कर रहे हैं। हमारे संतजन नावों के जरिए प्रभावित लोगों तक खाना, पानी और राहत सामग्री पहुंचा रहे हैं।'

उन्होंने आगे कहा कि, देश के विभिन्न प्रांतों में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है। जो लोग सक्षम हैं, उन्हें चाहिए कि वे बाढ़ प्रभावितों की मदद करें। मानव जीवन तभी सार्थक होता है, जब हम किसी का कल्याण करें।'

पिछले कुछ हफ्तों में भारी बारिश और भूस्खलन के कारण पंजाब, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और देश के अन्य राज्य भी बाढ़ से प्रभावित हैं। भारत सरकार पीड़ितों को राहत पहुंचाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है।

ग्रेट निकोबार द्वीप प्रोजेक्ट पर राहुल गांधी ने जताई चिंता, शेयर किया सोनिया गांधी का लेख

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोमवार को कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी का एक लेख सोशल मीडिया पर साझा किया, जिसमें ग्रेट निकोबार द्वीप परियोजना द्वारा निकोबार के लोगों और उसके नाज़ुक पारिस्थितिकी तंत्र पर हो रहे अन्याय को उजागर किया गया। ग्रेट निकोबार द्वीप परियोजना, ग्रेट निकोबार द्वीप पर भारत सरकार की एक प्रमुख पहल है जिसका उद्देश्य समग्र विकास और रणनीतिक स्थिति बनाना है, जिसमें एक ट्रांसशिपमेंट पोर्ट, एक अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, एक ऊर्जा संयंत्र और एक टाउनशिप शामिल है।

एक्स पर साझा की गई एक पोस्ट में, राहुल गांधी ने कहा कि ग्रेट निकोबार द्वीप परियोजना एक दुस्साहस है, जो आदिवासियों के अधिकारों को कुचल रही है और कानूनी व विचार-विमर्श प्रक्रियाओं का मज़ाक उड़ा रही है। इस लेख के माध्यम से, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी इस परियोजना द्वारा निकोबार के लोगों और उसके नाज़ुक पारिस्थितिकी तंत्र पर हो रहे अन्याय को उजागर करती हैं। इसे अवश्य पढ़ें।

द हिंदू के एक संपादकीय में, सोनिया गांधी ने चिंता जताई कि यह परियोजना 'दुनिया के सबसे अनोखे वनस्पतियों और जीव-जंतुओं के पारिस्थितिकी तंत्रों में से एक के लिए खतरा है और प्राकृतिक आपदाओं के प्रति अत्यधिक संवेदनशील है।' सोनिया गांधी ने कहा, '72, 000 करोड़ रुपये का यह पूरी तरह से अनुचित व्यय द्वीप के मूल आदिवासी समुदायों के अस्तित्व के लिए खतरा पैदा करता है।' उन्होंने तर्क दिया कि निकोबारी आदिवासियों के पैतृक गाँव परियोजना के प्रस्तावित भू-क्षेत्र में आते हैं, और 2004 के हिंद महासागर सुनामी के दौरान उन्हें अपने गाँव छोड़ने पड़े थे; अब, यह परियोजना इस समुदाय को स्थायी रूप से विस्थापित कर देगी।

सोनिया गांधी ने यह भी तर्क दिया कि शोम्पेन को और भी बड़े खतरे का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि केंद्रीय जनजातीय मामलों के मंत्रालय द्वारा अधिसूचित द्वीप की शोम्पेन नीति के अनुसार, बड़े पैमाने पर विकास प्रस्तावों पर विचार करते समय अधिकारियों को जनजाति के कल्याण और 'अखंडता' को प्राथमिकता देनी होगी। उन्होंने आगे कहा, 'इसके बजाय, यह परियोजना शोम्पेन जनजातीय अभ्यारण्य के एक बड़े हिस्से को गैर-अधिसूचित करती है, उन वन पारिस्थितिकी प्रणालियों को नष्ट करती है जहाँ शोम्पेन रहते हैं और इससे द्वीप पर बड़े पैमाने पर लोगों और पर्यटकों की आमद होगी।' कांग्रेस नेता ने यह भी कहा कि जनजातीय अधिकारों के संरक्षण के लिए स्थापित संवैधानिक और वैधानिक निकायों को इस पूरी प्रक्रिया में दरकिनार कर दिया गया है।

यह मान निर्मित आपदा : भाजपा के तरुण चुघ ने बाढ़ को लेकर पंजाब सीएम भगवंत मान पर कसा तंज

चण्डीगढ़ **(एजेंसी)**। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने सोमवार को पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान पर तीखा हमला बोला और उनकी सरकार पर राज्य के बाढ़ संकट को 'मानव निर्मित आपदा' में बदलने का आरोप लगाया। चुघ ने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी (आप) सरकार के तहत अनियंत्रित अवैध खनन ने पंजाब के नदी तटों को कमज़ोर कर दिया है, जिसके परिणामस्वरूप हाल ही में आई बाढ़ के दौरान बड़े पैमाने पर तबाही हुई।

चुघ ने एएनआई को बताया कि पंजाब को आपदा की ओर ले जाने का कारण आप की भगवंत मान सरकार द्वारा अवैध खनन की खुली अनुमति देना है। यह एक 'मानव निर्मित' आपदा है। पंजाब के लोग भगवंत मान की अक्षमता, विफलता और अनुभवहीनता की कीमत चुका रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि भगवंत मान सरकार बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का वास्तविक आकलन करने में विफल रही और राहत पैकेज को लेकर हंगामा मचा रही है। उन्होंने आगे कहा, 'जबकि सच्चाई यह है कि केंद्र सरकार ने आपदा प्रबंधन के लिए पंजाब के पास 11, 000 करोड़ रुपये से अधिक रखे हैं।'

चुघ ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री मान से व्यक्तिगत रूप से बात की थी और हर संभव सहायता का आश्वासन दिया था। उन्होंने कहा, 'लेकिन भगवंत मान सरकार ने न तो नुकसान का वास्तविक आकलन किया है और न ही विशेष टीमें गठित की हैं।' इस बीच, पंजाब में आई विनाशकारी बाढ़ ने कई जिलों में भारी व्यवधान पैदा कर दिया है, जिससे अनगिनत परिवार प्रभावित हुए हैं और अब अपनी बुनियादी ज़रूरतें पूरी करने में चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। इसके जवाब में, पंजाब सरकार प्रभावित क्षेत्रों में व्यापक रूप से राहत सामग्री वितरित कर रही है, और मंत्री पूरे क्षेत्र में नदी तटबंधों की निगरानी और सुदृढ़ीकरण में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 9 सितंबर को पंजाब के गुरदासपुर के बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का दौरा करेंगे, जैसा कि पंजाब भाजपा ने घोषणा की थी। प्रधानमंत्री मोदी बचाव और राहत कार्यों की समीक्षा करेंगे और बाढ़ प्रभावित लोगों के परिवारों से मुलाकात करेंगे। पंजाब भाजपा ने पर एक पोस्ट में कहा, 'माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी 9 सितंबर को पंजाब के गुरदासपुर आ रहे हैं। वह बाढ़ प्रभावित भाइयों-बहनों और किसानों से सीधे मिलेंगे, उनका दुख साझा करेंगे और पीड़ितों की मदद के लिए हर संभव कदम उठाएंगे।' उन्होंने आगे कहा, 'प्रधानमंत्री का यह दौरा साबित करता है कि केंद्र की भाजपा सरकार हमेशा पंजाब के लोगों के साथ खड़ी है और इस कठिन समय में पूरा सहयोग करेगी।'

सजा पूरी होने पर भी कैदी को जेल में रखा

सुप्रीम कोर्ट ने एमपी सरकार को दिया 25 लाख मुआवजा देने का निर्देश

भोपाल **(एजेंसी)**। सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश सरकार को एक कैदी को 25 लाख रुपए मुआवजा देने का आदेश दिया है। यह कैदी अपनी सजा पूरी करने के बाद भी चार साल सात महीने तक जेल में बंद रहा। जस्टिस जेबी पारदीवाला और केवी विश्वनाथन की बेंच ने इस घटना को बेहद चौंकाने वाला बताते हुए कहा कि यह मौलिक अधिकारों का गंभीर उल्लंघन है, जिसे किसी भी हाल में माफ नहीं किया जा सकता। बेंच ने राज्य सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि कैदियों को सजा पूरी होने या जमानत मिलने के बाद भी जेल में रखना गंभीर लापरवाही है। कोर्ट ने राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण को आदेश दिया है कि प्रदेश की सभी जेलों में सर्वे कर यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई कैदी अपनी तय सजा से अधिक न रहे। यह मामला सोहन सिंह नामक कैदी से जुड़ा है, जिसे 2005 में सागर जिले की खुरई अदालत ने रेप, घर में घुसपैठ और धमकी के मामले में दोषी ठहराकर उम्रकैद की सजा सुनाई थी। हालांकि, 2017 में हाईकोर्ट ने अभियोजन पक्ष की कमियों का हवाला देते हुए उसकी सजा को घटाकर सात साल कर दी। बावजूद इसके, सोहन सिंह को जेल से रिहाई नहीं मिली और उसने तय सजा से करीब 4.7 साल ज्यादा जेल में बिताए।

सोहन सिंह की ओर से अधिवक्ता महफूज अहसन नाजकी ने कोर्ट में कहा कि राज्य सरकार ने भ्रामक हलफनामे दाखिल किए, जिनमें अतिरिक्त कारावास की अवधि को गलत तरीके से बढ़ाकर बताया गया। इस पर कोर्ट ने सख्त नाराजगी जताई और जवाबदेही तय करने की बात कही।

यह मामला न केवल सरकारी लापरवाही का उदाहरण है बल्कि यह भी दिखाता है कि प्रशासनिक चूक कैसे किसी व्यक्ति के जीवन और मौलिक अधिकारों पर गहरा असर डाल सकती है। सुप्रीम कोर्ट का यह आदेश अब जेल प्रशासन और राज्य सरकार के लिए एक चेतावनी और जिम्मेदारी दोनों साबित होगा।

महिलाओं को सीएम की डबल सौगात! 80 पिंक बसें व सभी बसों में ई-टिकटिंग शुरू

पटना **(एजेंसी)**। परिवहन हेतु महिलाओं के लिए द्वितीय चरण में 80 पिंक बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। साथ ही मुख्यमंत्री ने बिहार राज्य पथ परिवहन निगम की सभी 1065 बसों में ई-टिकटिंग सुविधा का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने बसों को रवाना करने के पूर्व बसों का निरीक्षण किया और उसमें उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली।

महिला सशक्तीकरण की दिशा में राज्य सरकार द्वारा उठाया गया यह महत्वपूर्ण कदम है जिसके तहत द्वितीय चरण में 80 पिंक बसों का परिचालन शुरू किया गया है। इससे महिलाओं का सफर सुरक्षित और आरामदायक होगा और उन्हें आवागमन में काफी सहूलियत होगी। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, परिवहन विभाग के अपर मुख्य सचिव मिहिर कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि, राज्य परिवहन आयुक्त आशुतोष द्विवेदी सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

जनता के कंधे पर सांसद का 'बाढ़ निरीक्षण' भाजपा का तंज, बचाव में कांग्रेस, वीडियो वायरल

पटना **(एजेंसी)**। बिहार के बाढ़ प्रभावित इलाकों का निरीक्षण कर रहे कटिहार के सांसद तारिक अनवर को ग्रामीणों ने कंधे पर उठाकर ले जाते हुए एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। कांग्रेस नेता अपने निर्वाचन क्षेत्र के दो दिवसीय दौरे पर थे और उन्होंने बरारी और मनिहारी विधानसभा क्षेत्रों को कवर करते हुए धुरयाही पंचायत के शिवनगर-सोनाखाल इलाके का दौरा किया। एक्स पर एक पोस्ट में, भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने कहा कि कांग्रेस की अधिकार भावना। बाढ़ प्रभावित इलाकों में भी, वे वीवीआईपी प्रोटोकॉल चाहते हैं?

उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे पर किसानों का अपमान करने का आरोप लगाया और कहा कि अनवर ने भी बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करते हुए स्थानीय लोगों के कंधों पर बैठकर राहत कार्यों का 'अपमान' किया है। पोस्ट के बाद के हिस्से में, भाजपा नेता ने कांग्रेस और आप पर भी निशाना साधते हुए कहा, 'कांग्रेस सांसद वीवीआईपी मोड में हैं। राहुल गांधी छुट्टी मनाने के मूड में हैं। आप छिपने के मूड में है।' इसके बाद उन्होंने कहा कि यह प्रधानमंत्री मोदी पर है, जो काम करने के मूड में हैं।

भाजपा की यह प्रतिक्रिया कांग्रेस सांसद तारिक अनवर का एक वीडियो वायरल होने के बाद आई है, जिसमें बिहार के कटिहार में बाढ़ निरीक्षण के दौरान ग्रामीणों ने उन्हें पीठ पर लादकर ले जाते हुए देखा था। इस वीडियो में ग्रामीण घुटनों तक पानी में चलकर वरिष्ठ नेता को पानी से भरे खेत से पार कराते हुए दिखाई दे रहे हैं। वहीं, देश की सबसे पुरानी पार्टी सांसद के समर्थन में उतर आई। कटिहार ज़िला कांग्रेस अध्यक्ष सुनील यादव ने कहा कि अनवर अस्वस्थ थे, इसलिए ग्रामीणों ने उन्हें अपने कंधों पर उठा लिया।

यादव ने बताया कि हमने यात्रा के लिए ट्रैक्टर, नाव और बाइक का इस्तेमाल किया। निरीक्षण के दौरान हमारा ट्रक कीचड़ में फंस गया और हमें लगभग 2 किलोमीटर पैदल चलना पड़ा। बहुत गर्मी थी और अनवर अस्वस्थ महसूस कर रहे थे। कटिहार कांग्रेस अध्यक्ष ने आगे कहा कि ग्रामीणों ने पूरी तरह से प्यार से अनवर को अपने कंधों पर उठा लिया। इस बीच, बिहार में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है। गंगा, गंडक, कोसी और घाघरा नदियाँ खतरे के निशान के पास बह रही हैं।

कार्लोस अल्काराज ने यानिक सिनर को हराकर जीता यूएस ओपन का खिताब

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। इन दिनों स्पेनिश टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज के सितारे गर्दिश में हैं। एक के बाद एक करके वह कई खिताब अपने नाम करते जा रहे हैं। वहीं उन्होंने दूसरी बार यूएस ओपन का खिताब अपने नाम किया है। दरअसल, ग्रैंड फिनाले में कार्लोस अल्काराज ने नंबर वन टेनिस प्लेयर यानिक सिनर को चार सेट तक चले मुकाबले में मात दी। इस तरह कार्लोस अल्काराज ने एक और खिताब अपने नाम किया, जो ग्रैंड स्लैम का उनका छठा खिताब है।

इसके साथ ही अल्काराज ने राफेल नडाल की बराबरी कर ली। वे 23 साल से कम उम्र में 6 खिताब जीतने वाले तीसरे प्लेयर बन गए हैं। इतने ही खिताब राफेल नडाल ने भी 23 साल से पहले जीत लिए थे। सात खिताब बीजोर्न बोर्ग ने जीते हैं।

कार्लोस अल्काराज ने आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए यूएस ओपन 2025 के फाइनल में यानिक सिनर को 6-2, 3-6, 6-1, 6-4 से हटाया। कार्लोस अल्काराज ने न सिर्फ छठा ओपन टाइटल जीता, बल्कि वे एटीपी रैंकिंग में नंबरवन की कुर्सी भी हासिल करने में सफल हुए, जिसपर पिछले 65 सप्ताह से यानिक सिनर का कब्जा था।

कार्लोस अल्काराज का ये यूएस ओपन का दूसरा टाइटल है।

वहीं 22 वर्षीय कार्लोस अल्काराज को यूएस ओपन 2025 का खिताब जीतने पर पिछले साल की तुलना में 39 प्रतिशत ज्यादा की इनामी राशि मिली। यूएस ओपन 2025 के सिंगल में विजेता को इनामी राशि के रूप में 5 मिलियन डॉलर यानी भारतीय रूपये के अनुसार, करीब 44 करोड़ रुपये मिले हैं। बता दें कि, पिछले सीजन के विजेता को 31.74 करोड़ रुपये मिले थे।

इसके अलावा रनर-अप रहे यानिक सिनर को 22 करोड़ रुपये से ज्यादा मिले। जो की आईपीएल 2025 की आरसीबी को मिले प्राइज मनी से ज्यादा है।

2022 में भी वे इस खिताब को जीत चुके हैं, जो उनका पहला ग्रैंड स्लैम टाइटल था। तीन साल के इंतजार के बाद फिर से वे इसके चैंपियन बने हैं।

एशिया कप 2025 : संजू सैमसन को लेकर रवि शास्त्री ने टीम इंडिया को चेताया

कहा- टॉप ऑर्डर में ना करें छेड़खानी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। एशिया कप 2025 के आगाज से पहले ही भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई हैं। दरअसल, संजू सैमसन भले ही टी20 क्रिकेट में बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे हों, लेकिन एशिया कप के लिए उन्हें प्लेइंग इलेवन में जगह मिलेगी या नहीं इस पर अभी से मंथन चल रहा है। टीम में शुभमन गिल की वापसी और उन्हें उपकप्तान बनाए जाने के बाद सैमसन की प्लेइंग इलेवन में जगह तय नहीं है। वहीं इस कड़ी में अब पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री ने भी टीम इंडिया को चेताया है। संजू सैमसन ने पिछले साल टी20 वर्ल्ड कप के बाद ओपनिंग की जिम्मेदारी संभालते हुए तीन शतक जड़े थे। 12 मैचों में उन्होंने बांग्लादेश, साउथ अफ्रीका और इंग्लैंड के खिलाफ 417 रन बनाए। इस दौरान उनका औसत 37.90 और स्ट्राइक रेट 183.70 का रहा। हालांकि, इंग्लैंड के खिलाफ उनकी आखिरी सीरीज फीकी रही, जिसमें पांच मैचों में उनका बेस्ट स्कोर केवल 26 रन था।

शुभमन गिल की वापसी ने सैमसन के लिए मुश्किल खड़ी कर दी है। संभावना है कि गिल को टॉप ऑर्डर पर मौका दिया जाएगा जिससे सैमसन को मिडिल ऑर्डर में खेलना पड़ सकता है। इस स्थिति में उन्हें जितेश शर्मा से कड़ी प्रतिस्पर्धा करनी होगी।

इस बीच रवि शास्त्री ने संजू सैमसन को लेकर बड़ा बयान दिया है। रवि शास्त्री का मानना है कि सैमसन को ओपनिंग पोजिशन से हटाना ठीक नहीं होगा। उन्होंने कहा कि टॉप ऑर्डर में ही संजू सबसे खतरनाक बल्लेबाज माने जाते हैं। उन्हें टॉप आर्डर में ही खेलने देना चाहिए।

शास्त्री ने आगे कहा कि, अगर गिल को शामिल करना है तो किसी और की जगह हो सकती है, लेकिन सैमसन को ओपनिंग से हटाना टीम के लिए सही नहीं है। सैमसन का पिछला आईपीएल चोटों के कारण उतार-चढ़ाव भरा रहा। लेकिन उन्होंने केरल क्रिकेट लीग में कोच्चि ब्लू टाइगर्स के लिए बेहतरीन प्रदर्शन कर एशिया कप से पहले लय हासिल की जिसमें एक शतक भी शामिल था।

क्रिस गेल का आईपीएल को लेकर महाखुलासा

पंजाब किंग्स फ्रेंचाइजी पर लगाया अनादर करने का आरोप

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। वेस्टइंडीज के महान सलामी बल्लेबाज क्रिस गेल ने आईपीएल को लेकर एक बड़ा खुलासा किया है। दरअसल, उन्होंने उस सीजन की सच्चाई और दर्द बयां किया है, जो उन्होंने पंजाब किंग्स के साथ गुजारा था। क्रिस गेल ने कहा है कि पंजाब किंग्स फ्रेंचाइजी ने उनका अनादर किया और उन्हें बच्चे से जैसा ट्रीट किया है। उन्होंने केएल राहुल और अनिल कुंबले का भी जिक्र किया है जो उस समय कप्तान और हेड कोच थे।

क्रिस गेल ने शुभांकर मिश्रा के पॉडकास्ट में कहा कि, पंजाब किंग्स के साथ मेरा आईपीएल सीजन समय से पहले ही खत्म हो गया था। किंग्स इलेवन में मेरा अनादर किया गया। मुझे लगा कि एक सीनियर खिलाड़ी होने के बावजूद, जिसने लीग के लिए इतना कुछ किया और मूल्य अर्जित की, मेरे साथ ठीक से व्यवहार नहीं किया गया। उन्होंने मेरे साथ एक बच्चे जैसा व्यवहार किया। जिंदगी में पहली बार, मुझे लगा कि मैं डिप्रेशन में जा रहा हूं। अनिल कुंबले से बात करते हुए मैं रो पड़ा, क्योंकि मैं बहुत आहत था। मैं उनसे और फ्रेंचाइजी के संचालन के तरीके से निराश था। केएल राहुल ने मुझे फोन करके भी कहा कि, क्रिस रुको तुम अगला मैच खेलोगे, लेकिन मैंने बस कहा, तुम्हें शुभकामनाएं और अपना बैग पैक करके बाहर निकल गया।

क्रिस ने पंजाब के अलावा केकेआर और आरसीबी के लिए भी आईपीएल खेला है। 142 मैच वे इस लीग में खेले हैं। इनकी 141 पारियों में कुल 4965 रन उन्होंने बनाए हैं। 175 उनका बेस्ट है। 6 शतक और 31 अर्धशतक उन्होंने जड़े। 2008 में उन्होंने आईपीएल डेब्यू किया था और इसके बाद 2021 में उन्होंने आखिरी आईपीएल मैच खेला है।

स्पाइसजेट अगले साल अप्रैल तक 10 खड़े विमानों का परिचालन बहाल करेगी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। जून तिमाही में घाटे में रही एयरलाइन कंपनी स्पाइसजेट ने कहा है कि वह अप्रैल, 2026 तक उड़ान सेवाओं से बाहर चल रहे अपने 10 विमानों का परिचालन फिर शुरू करने की योजना बना रही है।

जून तिमाही के अंत में स्पाइसजेट के 56 विमानों के बेड़े में से केवल 21 विमान ही परिचालन में थे जबकि 35 विमान तकनीकी या परिचालन कारणों से जमीन पर खड़े थे। कंपनी ने निवेशकों के समक्ष एक प्रस्तुति में कहा कि अप्रैल, 2026 तक ठप खड़े 10 विमानों को फिर से उड़ान में लाया जायेगा। इनमें से चार-पांच विमानों की उड़ान सेवाएं इस साल सर्दियों की शुरुआत में ही बहाल की जाएंगी ताकि त्योहारी और व्यस्त सत्र की मांग को पूरा किया जा सके।

अप्रैल-जून, 2025 की तिमाही में स्पाइसजेट को 238 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ जबकि पिछले साल इसी अवधि में उसे 150 करोड़ रुपये का लाभ हुआ था। कंपनी ने बताया कि जमीन पर खड़े विमानों की परिचालन सेवाएं बहाल करने के लिए उसने रखरखाव और मरम्मत स्लॉट सुनिश्चित कर लिए हैं।

अबतक कुल 19 विमान इंजन मरम्मत के लिये दुनिया भर के केंद्रों में भेजे गए हैं जिनमें सात इंजन बोइंग 737 एनजी, छह इंजन बोइंग 737 मैक्स और छह इंजन क्यू400 विमानों के हैं।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ जो रूट ने ओडीआई में रचा इतिहास

सचिन तेंदुलकर का महारिकॉर्ड किया ध्वस्त

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। इंग्लैंड और साउथ अफ्रीका के बीच तीसरा वनडे मैच खेला गया। इस मुकाबले में पहले जो रूट ने इतिहास रचा और फिर इंग्लैंड टीम में भी इतिहास के पन्नों में अपना नाम दर्ज करा लिया। रूट ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीसरे वनडे में 96 गेंद में 100 रनों की पारी खेली। अपनी शतकीय पारी के दौरान रूट ने 6 चौके लगाए। वनडे क्रिकेट में रूट का ये 19वां शतक रहा। इसके साथ ही जो रूट ने भारत के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का एक बड़ा रिकॉर्ड ध्वस्त किया है।

वनडे क्रिकेट में सबसे तेज 19 शतक लगाने के मामले में रूट ने अब सचिन को पछाड़ दिया है। सचिन ने वनडे में 194 पारियो में 19 शतक लगाए थे। वहीं रूट ने ये कारनामा सिर्फ 172वीं पारी में ही कर दिया। रूट अब वनडे में सबसे तेज 19 शतक लगाने वाले छठे बल्लेबाज बन गए हैं। इस रिकॉर्ड लिस्ट में सबसे ऊपर पाकिस्तान के बाबर आजम का नाम है। बाबर ने सिर्फ 102 पारियों में ही 19 शतक लगा दिए।

वहीं अब बात करते हैं कि इंग्लैंड टीम ने भी बहुत बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया। इंग्लिश टीम ने वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया। इंग्लैंड ने तीसरे वनडे में 414 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया और फिर दक्षिण अफ्रीका को महज 72 रनों पर ढेर कर दिया। इंग्लैंड ने तीसरा वनडे 342 रनों से जीता। वनडे क्रिकेट के इतिहास में रनों के लिहाज से ये सबसे बड़ी जीत है।

वेदांता के खिलाफ याचिका पर सुनवाई से उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश चंद्रन ने खुद को अलग किया

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन ने सोमवार को वेदांता के खिलाफ दायर एक याचिका पर सुनवाई से खुद को अलग कर लिया। इस याचिका में न्यायालय से अनुरोध किया गया था कि अमेरिकी शॉर्ट सेलर वायसराय रिसर्च के आरोपों की जांच करने के लिए अधिकारियों को आदेश दिया जाए।

वायसराय रिसर्च ने आरोप लगाया था कि अरबपति कारोबारी अनिल अग्रवाल का खनन समूह वित्तीय रूप से अस्थिर है और लेनदारों के लिए गंभीर जोखिम पैदा कर रहा है।

न्यायमूर्ति चंद्रन के सुनवाई से अलग होने पर संज्ञान लेते हुए, भारत के मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई और अतुल चंदुरकर की पीठ ने अधिवक्ता शक्ति भाटिया की याचिका पर सुनवाई स्थगित कर दी।

भाटिया ने अपनी याचिका में दावा किया है कि उन्होंने एमसीए21 फाइलिंग, सेबी के खुलासे और कंपनी रजिस्ट्रार के रिकॉर्ड की समीक्षा करके वायसराय रिपोर्ट के कुछ हिस्सों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि की है। याचिका में कहा गया कि कुछ उच्च-मूल्य वाले लेनदेन में प्रतिपक्ष शामिल थे, जिन्हें न तो संबंधित पक्ष घोषित किया गया था और न ही अनिवार्य रूप से शेयरधारकों की मंजूरी ली गई।

सात्विक-चिराग की जोड़ी हांगकांग सुपर 500 में करेगी भारतीय चुनौती की अगुवाई

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। विश्व चैंपियनशिप में हाल ही में कांस्य पदक जीतने वाली सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष जोड़ी मंगलवार से शुरू हो रहे हांगकांग सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में एक बार फिर भारत की चुनौती का नेतृत्व करेगी।

विश्व रैंकिंग में तीसरे स्थान पर काबिज इस जोड़ी ने पेरिस में शानदार प्रदर्शन के बूते विश्व चैंपियनशिप में अपना दूसरा कांस्य पदक जीता। यह जोड़ी मौजूदा सत्र में निरंतरता के साथ लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाली जोड़ी रही है। वे बीडब्ल्यूएफ टूर पर भारत, मलेशिया, चीन और सिंगापुर सहित कई प्रतियोगिताओं के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं।

आठवीं वरीयता प्राप्त यह जोड़ी अपने अभियान की शुरुआत चीनी ताइपे के चियु शिआंग चिएह और वांग ची-लिन के खिलाफ करेगी। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने विश्व चैंपियनशिप में चीन की वांग झी यी को हराकर फॉर्म में वापसी का संकेत दिया था। उनका अभियान हालांकि क्वार्टर फाइनल से आगे नहीं बढ़ पाया था।

हांगकांग में सिंधू के सामने डेनमार्क की लाइन क्रिस्टाफरसेन के खिलाफ अपने पहले मैच में बेहतर प्रदर्शन करने की चुनौती होगी। इस साल के उभरते सितारों में से एक यूएस ओपन चैंपियन आयुष शेट्टी का पहले दौर में चीन के लू गुआंग झू के खिलाफ एक कठिन मुकाबला है। पूर्व विश्व नंबर छह लक्ष्य सेन पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक से चूकने के बाद से लय तलाश रहे है। वह चीनी ताइपे के वांग त्जु वेई के खिलाफ आत्मविश्वास हासिल करने की कोशिश करेंगे।

24 साल का यह खिलाड़ी इस साल चोट और करीबी मुकाबलों में हार से परेशान रहा है। पेरिस में डेनमार्क के एंडर्स एंटोनसेन से कड़े मुकाबले में हार का सामना करने वाले एचएस प्रणय के सामने एक बार फिर मुश्किल चुनौती होगी। वह अपना अभियान जापान के पांचवीं वरीयता प्राप्त कोडाई नारोका के खिलाफ शुरू करेंगे।

महिला एकल में अनुपमा उपाध्याय का सामना जापान की चौथी वरीयता प्राप्त टोमोका मियाजाकी से होगा, जबकि रक्षिता रामराज का मुकाबला थाईलैंड की पूर्व विश्व चैंपियन और पांचवीं वरीयता प्राप्त रतचानोक इंतानोन से होगा। युगल में हरिहरन आम्सकारुनन और रुबन कुमार रेथिनासबपति की पुरुष जोड़ी तथा रुतपर्णा और स्वेतपर्णा पांडा की महिला जोड़ी भी अपनी किस्मत आजमायेगी।

मजबूत वैश्विक रुझानों के चलते शेयर बाजारों में शुरुआती कारोबार में तेजी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। वैश्विक बाजारों में मजबूत रुझानों के चलते सोमवार को शुरुआती कारोबार में प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी दर्ज की गई। इस महीने के अंत में अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों में कटौती करने की उम्मीद से बाजार को समर्थन मिला। इसके अलावा हाल में जीएसटी दरों में कटौती की घोषणा ने भी शुरुआती कारोबार के दौरान बाजारों में आशावाद को बढ़ाया।

इस दौरान 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 296.26 अंक चढ़कर 81, 007.02 पर पहुंच गया। दूसरी ओर 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 90.35 अंक चढ़कर 24, 831.35 पर था।

सेंसेक्स की कंपनियों में टाटा स्टील, टाटा मोटर्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, अदाणी पोर्ट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट और पावर ग्रिड के शेयरों में तेजी रही। दूसरी ओर एशियन पेंट्स, ट्रेंट, भारती एयरटेल और टाइटन में गिरावट दर्ज की गई।

शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 1, 304.91 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 1, 821.23 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.19 प्रतिशत बढ़कर 66.29 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर था।

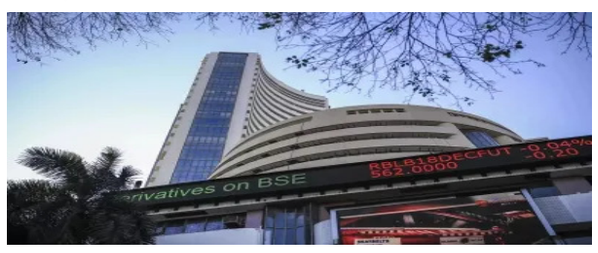

भारत की अनुपर्णा रॉय ने रचा इतिहास, 82वें वेनिस फिल्म महोत्सव में जीता सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार

दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित सिनेमाई समारोहों में से एक, 82वें वेनिस फ़िल्म समारोह का शनिवार को अपने पुरस्कार समारोह के साथ समापन हुआ, जिसमें वैश्विक फ़िल्म निर्माण के सर्वश्रेष्ठ कलाकारों का सम्मान किया गया। वेनिस अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव 2025 में जहाँ भारत की अनुपर्णा रॉय ने इतिहास रच दिया, वहीं ड्वेन जॉनसन की फिल्म 'द स्मैशिंग मशीन' ने भी एक बड़ा पुरस्कार जीता। 27 अगस्त से शुरू होकर 6 सितंबर तक चले इस प्रतिष्ठित महोत्सव में दुनिया भर की सर्वश्रेष्ठ फिल्मों का न केवल प्रीमियर हुआ, बल्कि सर्वश्रेष्ठ फिल्मों को सम्मानित भी किया गया। इस साल का वेनिस फिल्म महोत्सव भारत के लिए बेहद खास रहा। निर्देशक अनुपर्णा रॉय ने 'सॉन्स ऑफ फॉरगॉटन ट्रीज़' के लिए ओरिज़ोंटी सेक्शन में सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार जीतकर इतिहास रच दिया। यह फिल्म मुंबई की दो प्रवासी महिलाओं की कहानी है, जो अकेलेपन और संघर्ष के बीच रिश्तों और उम्मीद की तलाश करती हैं।

इस समारोह में एक आश्चर्यजनक मोड़ तब आया जब अमेरिकी स्वतंत्र फ़िल्म 'फ़ादर मदर सिस्टर ब्रदर' ने सर्वश्रेष्ठ फ़िल्म का प्रतिष्ठित गोल्डन लायन पुरस्कार जीता, जिसने बेहद लोकप्रिय 'द वॉयस ऑफ़ हिंद रजब' को पीछे छोड़ दिया। गाज़ा संकट पर आधारित एक सशक्त कहानी पर आधारित इस फ़िल्म को दर्शकों ने 22 मिनट तक खड़े होकर तालियाँ बजाईं, लेकिन यह शीर्ष पुरस्कार से चूक गई। 'सॉन्स ऑफ फॉरगॉटन ट्रीज़', इस साल ओरिज़ोंटी सेक्शन में एकमात्र भारतीय प्रविष्टि है। इसमें नाज़ शेख और सुमी बघेल ने अभिनय किया है और यह मुंबई की दो महिलाओं के आपस में जुड़े जीवन को दर्शाती है। बिभांशु राय, रोमिल मोदी और रंजन सिंह द्वारा निर्मित इस फिल्म को इसकी कहानी और रॉय के आत्मविश्वास से भरे निर्देशन के लिए व्यापक प्रशंसा मिली।

अपनी जीत पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, अनुपर्णा रॉय ने इस पुरस्कार को विश्व स्तर पर महिलाओं को समर्पित करते हुए कहा, 'यह फिल्म हर उस महिला को श्रद्धांजलि है जिसे कभी चुप कराया गया, अनदेखा किया गया या कम आंका गया। यह जीत सिनेमा और उससे परे महिलाओं के लिए और अधिक आवाज़ों, और अधिक कहानियों और अधिक शक्ति को प्रेरित करे।' फिल्म निर्माता अनुराग कश्यप द्वारा प्रदान किया गया यह पुरस्कार अंतर्राष्ट्रीय सिनेमा में लैंगिक प्रतिनिधित्व की दिशा में एक कदम आगे बढ़ाता है।

सेल्फी लेने के चक्कर में आलिया भट्ट के फैन ने लिया मीडिया और सिक्योरिटी से पंगा, एक्ट्रेस ने दिया रिएक्शन

बॉलीवुड अदाकारा आलिया भट्ट मां बनने के बाद भी काम कर रही हैं। अपनी बेटी के साथ साथ आलिया भट्ट ने फिल्मों के लिए भी समय निकालना शुरू क दिया है। हाल ही में आलिया भट्ट अपने 250 करोड़ रुपये की कीमत के घर की वजह से सुर्खियों में बनी हुई थीं। इसी बीच आलिया भट्ट का एक वीडियो फैंस का ध्यान अपनी तरफ खींच रहा है। इस वीडियो में आलिया भट्ट मीडिया के सामने से निकलकर जाती दिख रही हैं। इस वीडियो में आलिया भट्ट का एक फैन जबरदस्ती उनके साथ फोटो लेने की कोशिश करता दिखा। जैसे ही फैन ने आलिया भट्ट के करीब जाने की कोशिश की वैसे ही मीडिया ने उसे आवाज लगाकर पास जाने से मना किया। वहीं आलिया भट्ट के बॉडीगार्ड ने भी इस फैन को दूर हटाने की कोशिश की। ऐसे में आलिया भट्ट अपने इस फैन के लिए रुकीं। उसे हाथ दिखाकर रोका और फोटो क्लिक करवाई। बॉडीगार्ड के मना करने पर भी आलिया भट्ट ने अपने इस फैन का दिल रखा।

आलिया भट्ट का ये वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। फैंस आलिया भट्ट के इस व्यवहार की तारीफ कर रहे हैं। फैंस का कहना है कि आलिया भट्ट ने इस लड़के के साथ फोटो क्लिक करवाकर साबित कर दिया है कि उनको भी अपने चाहने वालों की कद्र है। बहुत से सितारे अपने फैंस को एक सिरे से नजरअंदाज कर देते हैं।

वीडियो में आलिया भट्ट नो मेकअप लुक में नजर आईं। जींस और टीशर्ट पहनकर आलिया भट्ट मुंबई की सड़कों पर निकली थीं। आलिया भट्ट को देखकर लग रहा है कि जैसे उन्होंने अपने बालों में तेल लगाया है। इस लुक की वजह से भी आलिया भट्ट सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं। फैंस को आलिया भट्ट का नो मेकअप लुक काफी पसंद आ रहा है। इस दौरान आलिया भट्ट ने भी मीडिया के आगे बिना कुछ सोचे समझे पोज दिए।

चुनाव से पहले नीतीश का बड़ा मास्टरस्ट्रोक आंगनबाड़ी सेविकाओं का मानदेय बढ़ा!

पटना (**एजेंसी**)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को राज्य भर की आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के मासिक वजीफे में बढ़ोतरी की घोषणा की, जिसे चुनाव से पहले एक बड़ा तोहफा माना जा रहा है। नए आदेश के तहत, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं (सेविकाओं) को अब 7, 000 से बढ़कर 9, 000 रुपये प्रति माह मिलेंगे, जबकि सहायिकाओं का वजीफा 4, 000 से बढ़कर 4, 500 हो जाएगा। कुमार ने एक्स पर एक पोस्ट में इस फैसले की पुष्टि की और बताया कि संबंधित विभाग को निर्देश पहले ही जारी कर दिए गए हैं।

इस फैसले से न सिर्फ आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ेगा, बल्कि गर्भवती महिलाओं और बच्चों को मिलने वाली पोषण व स्वास्थ्य सेवाएं भी और बेहतर होंगी। इस घोषणा के साथ उन्होंने यह साफ कर दिया है कि 'नीतीश सबके हैं'। उन्होंने समाज के हर वर्ग को आर्थिक लाभ देने की कोशिश की है। पहले आंगनबाड़ी सेविका को 7, 000 और सहायिका को 4, 000 रुपये मासिक मानदेय मिलता था। सरकार का मानना है कि सेविकाएं और सहायिकाएं गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों के पोषण और स्वास्थ्य सुधार में अहम भूमिका निभाती हैं। उनके योगदान को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे न सिर्फ आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ेगा, बल्कि समेकित बाल विकास सेवाएं और मजबूत होंगी।

नीतीश ने एक्स पर लिखा कि राज्य में बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं के पोषण एवं जीवन स्तर में सुधार करने में आंगनबाड़ी सेविकाओं एवं सहायिकाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। उनकी इसी भूमिका का सम्मान करते हुये हमलोगों ने उनके मानदेय में वृद्धि करने का निर्णय लिया है। अब आंगनबाड़ी सेविका का मानदेय 7, 000 रूपये से बढ़ाकर 9, 000 रूपये तथा आंगनबाड़ी सहायिका का मानदेय 4, 000 रूपये से बढ़ाकर 4, 500 रूपये करने हेतु विभाग को निदेशित किया गया है।

उन्होंने कहा कि नवम्बर 2005 में सरकार बनने के बाद से ही हमलोगों ने गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों के पोषण तथा स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिये बड़े पैमाने पर काम किया है तथा इसके लिये समेकित बाल विकास परियोजना के माध्यम से 06 प्रकार की सेवायें प्रदान की जा रही हैं। इन सेवाओं को आंगनबाड़ी केन्द्रों के माध्यम से लाभुकों को उपलब्ध कराने में आंगनबाड़ी सेविकाएं एवं सहायिकाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उनके अहम योगदान को देखते हुये उनकी मानदेय राशि में वृद्धि करने का निर्णय लिया गया है। इससे सभी आंगनबाड़ी सेविकाओं एवं सहायिकाओं का मनोबल बढ़ेगा तथा समेकित बाल विकास सेवायें और बेहतर होंगी।

उपराष्ट्रपति उम्मीदवार रेड्डी-लालू मुलाकात पर बवाल 20 अधिवक्ताओं ने उठाए नैतिकता पर सवाल

पटना (**एजेंसी**)। भारत के बीस प्रमुख वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने सोमवार को एक संयुक्त बयान जारी कर, इंडिया ब्लॉक के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार और सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश बी. सुदर्शन रेड्डी द्वारा लालू प्रसाद यादव के साथ एक निजी बैठक करने पर गहरी चिंता व्यक्त की, जो चारा घोटाले में सरकारी धन के गबन से जुड़े मामले में दोषी ठहराए गए हैं। वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने एक संयुक्त बयान में कहा कि यह जानकर निराशा हुई कि इंडिया ब्लॉक के संयुक्त उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी ने हाल ही में लालू प्रसाद यादव के साथ एक निजी बैठक की। यादव चारा घोटाला मामले में कुख्यात रूप से दोषी हैं, जिसमें बिहार राज्य से लगभग 940 करोड़ रुपये के सरकारी धन का गबन शामिल है।

अधिवक्ताओं ने आगे कहा कि चुनावी कारणों का हवाला देकर इस परामर्श को उचित नहीं ठहराया जा सकता, क्योंकि यादव न तो संसद सदस्य हैं और न ही उपराष्ट्रपति के निर्वाचक मंडल में मतदान के पात्र हैं। बयान में कहा गया है, 'इसलिए, ऐसा प्रतीत होता है कि इस बैठक का कोई वैध राजनीतिक उद्देश्य पूरा नहीं होता।' इस बैठक को संदिग्ध प्रकृति का बताते हुए, बयान में कहा गया है, 'रेड्डी जैसे कद के व्यक्ति, जो भारत के सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश हैं, और जिनकी महत्वाकांक्षा देश के सर्वोच्च संवैधानिक पदों में से एक पर आसीन होने की है, के लिए ऐसी संदिग्ध प्रकृति की नियुक्ति उनके निर्णय और औचित्य पर गंभीर प्रश्न उठाती है।'

उनकी न्यायिक पृष्ठभूमि पर चिंता जताते हुए, अधिवक्ताओं ने कहा, 'यह विशेष रूप से चिंताजनक है कि अपनी विशिष्ट न्यायिक पृष्ठभूमि के बावजूद, रेड्डी स्वतंत्र रूप से एक ऐसे व्यक्ति से जुड़े हैं जिसके आपराधिक कृत्यों की पुष्टि भारतीय अदालतों द्वारा की जा चुकी है।' बयान में आगे लिखा गया है कि कुछ गुटों की चुप्पी भी उतनी ही चिंताजनक है, जो आमतौर पर मामूली आरोपों पर भी भड़क उठते हैं। यह घटना उन लोगों के पक्षपातपूर्ण स्वभाव की पुष्टि करती है जो खुद को संवैधानिक नैतिकता का स्वयंभू संरक्षक बताते हैं। यह उनके स्वार्थ और राजनीतिक सुविधा के लिए गंभीर खामियों को नज़रअंदाज़ करने की उनकी इच्छा को दर्शाता है।

वकीलों ने आगे कहा कि रेड्डी के इस कृत्य ने भ्रष्टाचार के माध्यम से राष्ट्रीय हित को नुकसान पहुँचाया है और यह उनके इरादों को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि इस स्पष्ट चुप्पी के बावजूद, रेड्डी का उन दोषी व्यक्तियों के साथ जुड़ने का निर्णय, जिन्होंने भ्रष्टाचार के माध्यम से राष्ट्रीय हितों को स्पष्ट रूप से नुकसान पहुँचाया है, उनके इरादों और निष्ठाओं के बारे में बहुत कुछ बताता है। एक प्रभावशाली और प्रतिष्ठित संवैधानिक पद पर आसीन होने की चाह रखने वाले व्यक्ति द्वारा की गई यह चूक, निर्णय में एक बुनियादी त्रुटि दर्शाती है, जिसका पूरी तरह से मूल्यांकन करना जनता का कर्तव्य है।

तेजस्वी पर भाजपा का पलटवार : राजद की वापसी मतलब उद्योगपतियों को बर्बादी का डर

पटना (**एजेंसी**)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव के एनडीए सरकार द्वारा बिहार को बेरोजगारी, पलायन और गरीबी का केंद्र बनाने के दावों पर पलटवार करते हुए, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता संजय जायसवाल ने सोमवार को आरोप लगाया कि अगर राजद सत्ता में आई तो उद्योगपतियों को बर्बाद होने का डर है। जायसवाल ने एएनआई को बताया कि जब राजद सरकार सत्ता में थी, तब बिहार की प्रति व्यक्ति आय केवल 6, 000 रुपये थी, और आज यह 68, 000 रुपये हो गई है। आज, हर घर सामान्य जीवन जी रहा है और राज्य विकास कर रहा है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि उद्योगपति डरे हुए हैं कि अगर पार्टी फिर से सत्ता में आई, तो वे खत्म हो जाएंगे।

यह बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री के उस दावे के बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि एनडीए सरकार ने बिहार को बेरोज़गारी, पलायन और गरीबी का केंद्र बना दिया है। ' पर एक पोस्ट में, तेजस्वी यादव ने कहा कि 'बिहार में 20 साल और केंद्र में 11 साल से नीतीश-मोदी सरकार के सत्ता में रहने के बावजूद, एनडीए सरकार ने बिहार को बेरोज़गारी, पलायन और गरीबी का मुख्य केंद्र बना दिया है। यह मेरा दावा नहीं है, बल्कि भारत सरकार की नीति आयोग की रिपोर्टें साल-दर-साल यही कहती आ रही हैं।' उन्होंने आगे कहा कि पिछले 20 वर्षों में बिहार की प्रति व्यक्ति आय दुनिया के सबसे गरीब अफ्रीकी देशों, युगांडा और रवांडा से भी कम रही है।

राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव के बेटे ने अपने पोस्ट के ज़रिए नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सवाल पूछते हुए कहा, 'बिहार बेरोज़गारी का मुख्य केंद्र क्यों है? पिछले 20 सालों में बिहार से कितना पलायन हुआ है और बिहार में पलायन अभूतपूर्व दर से क्यों बढ़ रहा है?' इसके अलावा, यादव ने पूछा कि सरकार ने 20 सालों में राज्य में क्षेत्र-विशिष्ट क्लस्टर क्यों नहीं बनाए? उन्होंने यह भी पूछा कि राज्य में कितनी मिलें, कुल कितने उद्योग और कारखाने बंद हुए हैं। इसके अलावा, उन्होंने पिछले 20 सालों में परीक्षा और भर्ती प्रक्रियाओं की पारदर्शिता पर भी सरकार से सवाल किए।

दिवाली-छठ पर बिहार के लिए चलेंगी 12000 से अधिक विशेष ट्रेनें: सम्राट चौधरी

पटना (**एजेंसी**)। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को कहा कि केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने दिवाली और छठ पर्व के अवसर पर बिहार के लिए 12000 से अधिक विशेष ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। उपमुख्यमंत्री ने 'एक्स' लिखा कि इस वर्ष विशेष ट्रेन की कुल संख्या 12739 होगी, जबकि 2024 में यह संख्या 7500 से अधिक थी। उन्होंने कहा कि इनमें से 8591 ट्रेन की अधिसूचना पहले ही जारी हो चुकी है। भाजपा विधानमंडल दल के नेता चौधरी ने इस फैसले को ऐतिहासिक कदम बताते हुए कहा कि यह बिहार के उन लाखों लोगों को सुविधा पहुंचाने की मोदी सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण है, जो त्योहारों के दौरान अपने घर लौटना चाहते हैं।

चौधरी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को बिहार के प्रति इस विशेष स्नेह के लिए धन्यवाद दिया। साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सक्षम नेतृत्व की प्रशंसा भी की।

कांग्रेस के एसएमएस बैन दावे पर ट्राई का खंडन, कहा- 'कोई आवेदन ही नहीं मिला'

नई दिल्ली (**एजेंसी**)। कांग्रेस के इस आरोप पर कि भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने महाराष्ट्र में उसके कार्यकर्ताओं को एसएमएस भेजने के उसके आवेदन को खारिज कर दिया है, दूरसंचार नियामक ने अब कहा है कि उसे ऐसा कोई आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। ट्राई ने आगे कहा कि उसने व्यक्तिगत एसएमएस टेम्प्लेट को मंज़ूरी नहीं दी थी। नियामक ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि ऐसा लगता है कि आवेदन किसी एक सेवा प्रदाता को भेजा गया था जिसने उसे अस्वीकार कर दिया। ट्राई इस प्रक्रिया में किसी भी स्तर पर शामिल नहीं था। वास्तव में, ट्राई व्यक्तिगत संदेश टेम्प्लेट के अनुमोदन से संबंधित नहीं है।

रविवार को, कांग्रेस डेटा एनालिटिक्स विभाग के अध्यक्ष प्रवीण चक्रवर्ती ने कहा कि ट्राई द्वारा कांग्रेस को संदेश भेजने से इनकार करना 'गृह मंत्रालय, चुनाव आयोग और दूरसंचार नियामक के बीच सूचनाओं को दबाने के लिए पूर्ण समन्वय' को दर्शाता है। उन्होंने एक्स पर पूछा, 'क्या महाराष्ट्र चुनाव में धोखाधड़ी के लिए सरकार के विभिन्न अंगों द्वारा सूचनाओं को दबाने और छिपाने के ऐसे समन्वित प्रयासों से ज़्यादा स्पष्ट संकेत चाहिए?'

उन्होंने दावा किया था कि एसएमएस भेजने के लिए आवेदन निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार ट्राई के पास दायर किया गया था, और उन्होंने कांग्रेस के आवेदन को अस्वीकार करने के बारे में अधिकारियों द्वारा भेजे गए संदेश का स्क्रीनशॉट साझा किया था। कांग्रेस नेता मणिकम टैगोर ने ट्राई के फैसले को हास्यास्पद बताया और कहा कि ट्राई भाजपा का आईटी सेल बन गया है।

उन्होंने पूछा, 'इस सेंसरशिप श्रृंखला को कौन नियंत्रित करता है? अमित शाह, अश्विनी वैष्णव, ज्ञानेश्वर (कुमार)। गृह मंत्रालय निगरानी कर रहा है। रेलवे/दूरसंचार मंत्रालय संचार पर रोक लगा रहा है। चुनाव आयोग मूकदर्शक बना हुआ है। महाराष्ट्र 2024 के घोटाले का सच छिपाने के लिए एक समन्वित मशीन। अमित शाह, अगर महाराष्ट्र चुनाव चोरी नहीं हुए थे, तो आप एक यूट्यूब लिंक से इतना क्यों डरते हैं।'

यरूशलम में गोलीबारी में पांच की मौत, 15 घायल, दो हमलावर ढेर

तेल अवीव (**एजेंसी**)। इज़राइली पुलिस और पैरामेडिक सेवा के प्रमुख मैगन डेविड एडोम के अनुसार, सोमवार सुबह उत्तरी यरुशलम के एक व्यस्त चौराहे पर बंदूकधारियों द्वारा एक बस पर की गई गोलीबारी में कम से कम पाँच लोग मारे गए और 15 अन्य घायल हो गए। घायलों में से छह की हालत गंभीर बताई जा रही है। गोलीबारी येरूशलम के उत्तरी प्रवेश द्वार पर एक प्रमुख चौराहे पर हुई, जो पूर्वी येरूशलम में यहूदी बस्तियों की ओर जाने वाली सड़क के किनारे है। इज़राइली मीडिया ने बताया कि दोनों हमलावर यात्रियों पर गोलीबारी करने से पहले एक बस में सवार हुए। पुलिस ने बाद में कहा कि दोनों हमलावरों को मार गिराया गया, हालाँकि उनकी स्थिति अभी स्पष्ट नहीं हुई है। हमले के फुटेज में सुबह के व्यस्त समय में व्यस्त चौराहे पर एक बस स्टॉप से दर्जनों लोग भागते हुए दिखाई दे रहे हैं। घटनास्थल पर पहुँचे पैरामेडिक्स ने बताया कि इलाका अफरा-तफरी में था और टूटे हुए शीशे से ढका हुआ था, लोग घायल और बेहोश पड़े थे, बस स्टॉप के पास सड़क और फुटपाथ पर। अभी तक किसी भी फ़िलिस्तीनी उग्रवादी समूह ने हमले की ज़िम्मेदारी नहीं ली है।

यह घटना गाजा में चल रहे युद्ध से जुड़ी हिंसा में वृद्धि के बीच हुई है, जिसमें इज़राइल और कब्जे वाले पश्चिमी तट दोनों में बार-बार झड़पें हो रही हैं। फ़िलिस्तीनी उग्रवादियों ने गोलीबारी और चाकूबाजी की है, जबकि फ़िलिस्तीनियों के खिलाफ बसने वालों की हिंसा भी तेज हो गई है। हालांकि पिछले कुछ महीनों में इज़राइल में छिटपुट हमले हुए हैं, लेकिन आखिरी घातक सामूहिक गोलीबारी का हमला अक्टूबर 2024 में हुआ था, जब पश्चिमी तट के दो फ़िलिस्तीनियों ने तेल अवीव क्षेत्र में एक प्रमुख बुलेवार्ड और लाइट रेलवे स्टेशन पर गोलीबारी की थी।

पाकिस्तान में शुरू हो रहा बड़ा खेल! नूर खान एयरबेस पर अचानक उतरा अमेरिका का सैन्य विमान, भारत चौकन्ना

इस्लामाबाद (**एजेंसी**)। अमेरिका से आया विमान पाकिस्तान के नूर खान एयरबेस पर उतरा है। वही नूर खान एयरबेस जिसके परखच्चे भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान उड़ा दिए थे। पाकिस्तान के इस सबसे महत्वपूर्ण एयरबेस को भारत ने इतना नुकसान पहुंचाया था कि बीते तीन महीनों से यहां कोई विमान लैंड नहीं कर पाया था। लेकिन अब यहां अचानक अमेरिका का सी-17 ग्लोबमास्टर मिल्ट्री ट्रांसपोर्ट विमान नूर खान में उतरा है। ये विमान अमेरिका से कुवैत के रास्ते पाकिस्तान के नूर खान एयरबेस में लैंड कर गया। आपको बता दें कि पाकिस्तान के नूर खान एयरबेस पर लैंड किया अमेरिका का सी-17 ग्लोबमास्टर बलूचिस्तान के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। इस विमान को देख भारत भी चौंकन्ना हो गया है।

नूर खान वही एयरबेस है जिसका इस्तेमाल अमेरिका ने 2001 में अफगानिस्तान पर हमला करने के लिए किया था। अब हो सकता है कि इसी एयरबेस से पाकिस्तान अमेरिका की मदद से बलूचिस्तान पर हमला कर दे। सवाल उठ रहे हैं कि महीनों से खराब पड़े नूर खान एयरबेस पर अचानक अमेरिका का सैन्य विमान क्यों उतर गया?दरअसल, पाकिस्तान स्थित अमेरिकी दूतावास ने दुनिया को ये बताया है कि पाकिस्तान की सेना ने तबाही मचा रही बाढ़ से बचने के लिए राहत सामग्री मांगी है। इसलिए पाकिस्तान के लोगों के लिए हमने इस विमान में राहत सामग्री भेजी है। दूतावास ने अपने बयान में कहा कि अमेरिकी सैन्य विमानों ने विनाशकारी बाढ़ से निपटने के लिए पाकिस्तानी सेना के अनुरोध पर आवश्यक सामग्री पहुँचाई। नूर खान एयर बेस पर,

सीडीए बेकर ने व्यापक, विनाशकारी बाढ़ से तबाह हुए पाकिस्तान के लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की।

अमेरिकी सेना की केंद्रीय कमान (यूएस एआरसीईएनटी) के तहत कुल छह विमानों के माध्यम से राहत सामग्री पाकिस्तान पहुँचाई जाएगी। इनमें टेंट, जल शोधन पंप, जनरेटर और अन्य आवश्यक उपकरण शामिल हैं। पाकिस्तानी सेना के जनसंपर्क निदेशालय (आईएसपीआर) के अनुसार, पहली खेप औपचारिक रूप से पाकिस्तानी सेना को सौंप दी गई है। गौरतलब है कि पाकिस्तान में भारी मानसूनी बारिश से पंजाब प्रांत बुरी तरह प्रभावित हुआ है। लाखों लोग बाढ़ से प्रभावित हैं, उनके घर जलमग्न हो गए हैं, फसलें नष्ट हो गई हैं और बड़ी संख्या में लोग अस्थायी शिविरों में रहने को मजबूर हैं। सिंध सरकार का अनुमान है कि पंजाब से सिंध में प्रवेश करने वाले बाढ़ के पानी से 16 लाख से ज़्यादा लोग प्रभावित हो सकते हैं। अगर सिंध में बाढ़ का स्तर बहुत ज़्यादा होता है, तो हालात और बिगड़ सकते हैं, जिससे पाकिस्तान पर आर्थिक दबाव बढ़ सकता है।

अब जाहिर सी बात है कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद अमेरिका का कोई विमान पाकिस्तान पहुंचता है। तो भारत समेत पूरी दुनिया पर उसकी नजर रहेगी। ऐसे में कुछ एक्सपर्ट्स का मानना है कि बाढ़ की आड़ में अमेरिका को खेल करने का मौका मिल गया है। अमेरिका ने तुरंत बाढ़ का नाम लेकर पाकिस्तान में अपना सैन्य विमान उतार दिया। अब जाहिर सी बात है कि पाकिस्तान और अमेरिका ये तो नहीं बताएंगे कि इस विमान में एम4 असॉल्ट राईफल, यूएवी ड्रोन्स और नाइट विजन डिवाइस भी हो सकते हैं। अमेरिका जिस तरह से पाकिस्तान का इस्तेमाल बड़े और सीक्रेट ऑपरेशन के लिए करता आया है। जिस तरह से अमेरिका आजकल पाकिस्तान को खुलकर अपनी गोद में बिठा रहा है। उसे देखकर ये समझा जा सकता है कि इस विमान में राहत सामग्री के अलावा और भी कुछ है।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोल्दोमीर जेलेंस्की के बदले तेवर, भारत के खिलाफ उगला जहर

कीव (**एजेंसी**)। पहले कहां यूक्रेन के राष्ट्रपति वोल्दोमीर जेलेंस्की भारतीय पीएम से फोन पर बात कर रहे थे। लेकिन एससीओ समिट में रूस, चीन और भारत की तिकड़ी देखने के बाद वो खुलकर अब अमेरिका के समर्थन में उतर आए हैं। उन्होंने पहली बार भारत को लेकर एक ऐसा बयान दिया है जो दोनों देशों के कूटनीतिक संबंधों को बदलकर रख देगा। उन्होंने पहली बार भारत के खिलाफ खुलकर बोलते हुए अमेरिका का समर्थन किया है। जेलेंस्की ने अमेरिकी मीडिया से बात करते हुए कहा कि भारत पर लगाए गए अमेरिकी टैरिफ बिल्कुल सही हैं। एबीसी न्यूज़ को दिए एक साक्षात्कार में ज़ेलेंस्की ने कहा कि मुझे लगता है कि.रूस के साथ सौदे जारी रखने वाले देशों पर टैरिफ लगाना सही विचार है। ज़ेलेंस्की से शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चीन यात्रा पर उनके विचार पूछे गए थे। गौरतलब है कि पीएम मोदी की चीन और रूस के नेताओं के साथ ली गई थीं। उनका यह बयान ऐसे समय में आया है जब ट्रंप प्रशासन रूस के खिलाफ प्रतिबंधों का विस्तार करने की तैयारी कर रहा है।

पिछले महीने अलास्का में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ ट्रंप की शिखर वार्ता कोई कूटनीतिक सफलता हासिल करने में विफल रही। ट्रंप ने कहा कि वह रूस के खिलाफ प्रतिबंधों का विस्तार करने के लिए तैयार हैं। राष्ट्रीय आर्थिक परिषद के निदेशक केविन हैसेट ने भी मास्को पर नए प्रतिबंधों के संकेत दिए, और भारत का उदाहरण दिया। यूक्रेन पर रूस के हालिया सैन्य हमले के बाद हैसेट ने कहा कि राष्ट्रीय आर्थिक परिषद में, हमारी ज़िम्मेदारी है कि हम प्रतिबंधों को लागू करें और जो लोग यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में रूस की मदद कर रहे हैं। उदाहरण के लिए, भारत रूसी तेल खरीदकर जो कर रहा है... हम उन्हें आर्थिक रूप से जवाब देने के लिए तैयार हैं। उन्होंने आगे कहा कि मुझे यकीन है कि आज और कल प्रतिबंधों के स्तर और समय के बारे में काफ़ी चर्चा होगी। हाल के हफ़्तों में भारत ने यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने की अपनी वकालत तेज़ कर दी है। मोदी ने पिछले महीने इस मुद्दे पर ज़ेलेंस्की से दो बार बात की। मोदी ने कहा कि उन्हें ज़ेलेंस्की से बात करके और हालिया घटनाक्रमों पर उनके विचार जानकर खुशी हुई।

ट्रंप टैरिफ पर जितना धमका रहे, पुतिन उतना यूक्रेन पर कहर बरसा रहे, 800 ड्रोन दाग दिए

मॉस्को (**एजेंसी**)। अमेरिका के राष्ट्रपति टैरिफ को लेकर लगातार रूस को धमका रहे। रूस से तेल खरीदने वाले देशों को निशाना बना रहे हैं। अमेरिका को लगता हैकि ऐसा करके पुतिन को झुकाया जा सकता है। बातचीत की टेबल पर लाया जा सकता है। अलास्का में फेल हुए प्रयास के बाद ट्रंप लगातार रूस और उससे तेल खरीदने वाले देशों पर हमलावर हैं और उन्हें यूक्रेन जंग में हो रहे विध्वंस के लिए जिम्मेदार भी ठहरा रहे हैं। लेकिन तमाम बातों से बेपरवाह रूसी राष्ट्रपति पुतिन लगातार यूक्रेन पर कहर ढा रहे हैं। फरवरी में जंग शुरू होने के बाद रूस ने पहली बार 805 ड्रोन और 13 मिसाइलों का इस्तेमाल किया। इनमें नौ स्कन्दर के और चार स्कन्दर एम मिसाइलें शामिल थीं।

रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव समेत कई शहरों पर अब तक का सबसे बड़ा हवाई हमला किया। इस दौरान रूस ने एसओएस ड्रोन और डिकॉय यानी नकली निशाना भटकाने वाले उपकरण के साथ 13 तरह की मिसाइलें दागीं। यह हमला फरवरी 2022 में शुरू हुए युद्ध के बाद से सबसे बड़ा माना जा रहा है। पहली बार कीव में कैबिनेट बिल्डिंग को भी निशाना बनाया गया। यूक्रेन की एयरफोर्स ने बताया कि 747 ड्रोन और 4 मिसाइलों को मार गिराया, लेकिन फिर भी कई जगहों पर हमला हुआ। देशभर में 37 लोकेशनों पर 9 मिसाइलें और 56 ड्रोन गिरे। कीव में यूक्रेन सरकार की कैबिनेट बिल्डिंग की छत और ऊपरी मंजिलों पर भी नुकसान हुआ। हमले में दो लोगों की मौत हुई, जिनमें एक महिला और उनकी 3 महीने की बच्ची शामिल है। 17 से ज्यादा लोग घायल बताए गए हैं। यूक्रेन की प्रधानमंत्री यूलिया स्विरीडेनको ने कहा, 'हम इमारतों को फिर से बना लेंगे, लेकिन जिन जिंदगियों को हमने खोया है, उन्हें वापस नही ला ङसकते। दुनिया को सिर्फ शब्दों से नहीं, बल्कि ठोस कदमो से इस हमले का जवाब देना चाहिए। खासकर रूस के तेल और गैस पर प्रतिबंध कड़े करने की जरूरत है।' यह हमला ऐसे समय हुआ है जब यूरोपीय देशों के नेता व्लादिमीर पुतिन से युद्ध खत्म करने की अपील कर रहे हैं। वही, 26 देशों ने युद्ध खत्म होने के बाद यूक्रेन में सैनिक भेजने का वादा किया है।

उत्तर मध्य रेलवे

दिनांक : 04.09.2025

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल पर्यावरण एवं गृह रख-रखाव प्रबंधक, प्रयागराज, उत्तर मध्य रेलवे, द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए निर्धारित प्रपत्र में पर्याप्त अनुभव एवं वित्तीय क्षमतावान प्रतिष्ठित ठेकेदारों से ई-निविदाएं, निविदा खुलने की तिथि के, 16:00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं-

ई निविदा सूचना संख्या : GEM/2025/B/6645890 Dated-04.09.2025

कार्य का नाम : यांत्रिक सफाई, स्वच्छता और रोगाणु-नाशक सेवा - परिणाम आधारित - सार्वजनिक परिवहन स्थानों के लिए, जिसमें राइड - आन स्क्रबर ड्रायर, वाक - बिहाइंड स्क्रबर ड्रायर और अन्य मशीनों का उपयोग करके सफाई, झाड़ू लगाना, पोंछा लगाना, कचरा उठाना, कचरा संग्रहण और निस्तारण आदि किया जायेगा, जिसमें प्रयागराज मण्डल का रेलवे स्टेशन प्रयागराज जंक्शन (PRYJ) शामिल है।

निविदा सिस्टम : दो पैकेट सिस्टम	कार्य का अनुमानित लागत (रु में) : 25,05,95,498.81/-
EMD : ₹ 14,02,980.00/-	ई निविदा प्रपत्र का मूल्य : शून्य
कार्य की अवधि : 04 वर्ष	GeM वेबसाइट पर प्रकाशन की तिथि : 04.09.2025
निविदा खुलने की तिथि : 25.09.2025	

नोट : 1. उपरोक्त ई निविदाओं की निविदा पुस्तिका के साथ पूरी जानकारी GeM वेबसाइट पर प्रकाशित होने की तिथि से उपलब्ध/अपलोड की जाएगी और वेबसाइट www.GeM.gov.in पर बनी रहेगी, निविदा खुलने की नियत तिथि तक। 2. उपरोक्त निविदाओं के लिए ई-बोली के अलावा अन्य बोलियां स्वीकार नहीं की जाएंगी। इस उद्देश्य के लिए, विक्रेताओं को खुद को GeM वेबसाइट के साथ पंजीकृत कराना आवश्यक है। 3. संलग्न किए जा रहे दस्तावेज़ पर निविदाकर्ता द्वारा अपने हस्ताक्षर किए जाने चाहिए। 4. सभी निविदाकारों को ई-निविदा प्रपत्र नि-शुल्क जारी किए जाएंगे। 5. किसी भी कठिनाई के मामले में GeM की वेबसाइट पर उपलब्ध हेल्पडेस्क से संपर्क किया जा सकता है। 6. ऑनलाइन नई-निविदा निविदा खुलने की नियत तिथि पर 16:00 बजे तक जमा की जा सकती है। 7. जेवी (JV) फर्मों को इस निविदा में भाग लेने की अनुमति है। 1610/25 (C)

@CPRONCR | North central railways | cproncrly | CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2012/52437 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा श्री बालाजी प्रिंटर्स टिकरी, कमला नगर, प्रयागराज से मुद्रित एवं 80-ए मेहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 से प्रकाशित एवं सम्पादित।
● सम्पादक विनीता शर्मा ● मोबाइल : 9415975437, 7007837917, 9415223357 ● E-Mail : editormantrabharat@gmail.com ● वैधानिक सूचना:- मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र प्रयागराज न्यायालय होगा।